अधिकतम 38 डिग्री से.
न्यूनतम 28 डिग्री से.
सूर्योदय 5.20
सूर्यास्त 7.29
सोना 24 कैरेट: 1,46,060.00
चांदी (प्रति किलो) : 2,45,000
सेंसेक्स : 76,200.68
अमेरिका : 94.66
कैनेडियन : 66.80
आस्ट्रेलिया : 65.90

दैनिक अर्थ प्रकाश

खबरों की विश्वसनीयता, हमारी पहचान

चंडीगढ़, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, हिमाचल एवं उत्तर प्रदेश से प्रकाशितः उत्तराखंड, बिहार, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में भी प्रसारित

बातों बातों में मन की बात

दुआ का रंग नहीं होता, मगर ये रंग ले आती है।
-उपाध्याय गुप्तिसागर मुनि

वर्ष 01 | सोलन, बुधवार, 24 जून, 2026 | ज्येष्ठ शुक्ल पक्षः दशमी, विक्रमी संवत-2083 | www.arthparkash.com | YouTube/Arth Parkash TV | अंक : 69 | मूल्य 2.00 रुपये | पृष्ठः 8

न्यूज ब्रीफ

राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण : एसआईटी ने गृह विभाग को सौंपी प्रारंभिक रिपोर्ट

लखनऊ, 23 जून। अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के चढ़ावे में कथित हेरफेरी और चोरी के मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने अपनी प्रारंभिक जांच रिपोर्ट उत्तर प्रदेश सरकार को सौंप दी है। यह रिपोर्ट अपर मुख्य सचिव (गृह) एवं मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव संजय प्रसाद को सौंपी गई है। हालांकि, जांच प्रक्रिया अभी जारी है और अंतिम रिपोर्ट बाद में प्रस्तुत की जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की मांग के बाद इस मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय एसआईटी का गठन किया गया था। लखनऊ मंडल के आयुक्त विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में गठित एसआईटी ने अयोध्या में छह दिनों तक रहकर मामले की गहन जांच की। जांच के दौरान एसआईटी ने मंदिर प्रशासन, सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े कर्मियों, ट्रस्ट से संबद्ध लोगों तथा अन्य संबंधित व्यक्तियों सहित पांच दर्जन से अधिक लोगों से पूछताछ की। टीम ने चढ़ावे की गणना, उसके रखरखाव, सुरक्षा व्यवस्था और कथित अनियमितताओं से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जांच की।

एक दिन में 10,566 रुपए गिरा चांदी का भाव

नई दिल्ली। सोने-चांदी की कीमतों में 23 जून को गिरावट आई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, एक किलो चांदी 10,566 रुपए घटकर 2.27 लाख रुपए पर आ गई है, जो सोमवार को 2.37 लाख रुपए पर थी। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 2,522 रुपए गिरकर 1.45 लाख रुपए आ गया है। इससे पहले 22 जून को यह 1.47 लाख पर था। सोना के दाम इस महीने 10,748 रुपए और चांदी के 36,015 रुपए गिरे हैं। 1 जून को सोना 1.56 लाख/10 ग्राम और चांदी 2.63 लाख रुपए किलो थी। बता दें कि इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे। तब से अब तक सोना 31,333 रुपए सस्ता हो चुका है। वहीं, चांदी के कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए तक पहुंच गई थी।

राज्य सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था के सशक्तिकरण को दे रही प्रोत्साहन : मुख्यमंत्री

हिमाचल प्रदेश में फसलों के विविधीकरण पर दिया बल

वन अधिकार अधिनियम के तहत 636 व्यक्तिगत और 20 सामुदायिक दावे स्वीकृत

अर्थ प्रकाश/अनिल कुमार शर्मा

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने सोमवार देर सायं जनजातीय विकास तथा बागवानी विभागों की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि वर्तमान राज्य सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था के सुदृढ़ीकरण की दिशा में कार्य कर रही है। किसानों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की आय बढ़ाने के लिए सरकार ने ठोस कदम उठाए है। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सरकार रसायन-मुक्त कृषि उत्पादों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रदान कर रही है।

उन्होंने कहा कि विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा किसानों को लाभान्वित करने के लिए प्रदेश सरकार बागवानी विभाग को हर संभव सहयोग प्रदान करेगी और विभाग में रिक्त पदों को भी भरा जाएगा। मुख्यमंत्री ने एचपी-शिवा परियोजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि विभिन्न क्षेत्रों की भौगोलिक एवं जलवायु परिस्थितियों के अनुसार बागवानी में फलों की विभिन्न किस्मों के विविधीकरण की नितांत आवश्यकता है।

बागवानी प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और विभाग को बागवानों को व्यापक तकनीकी सहायता उपलब्ध करवानी चाहिए, ताकि उनकी आय में वृद्धि सुनिश्चित हो सके। सुक्खू ने जनजातीय विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं की भी समीक्षा की। उन्होंने इन योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी निर्देश दिए ताकि जनजातीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को इसका लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि मार्च 2023 से मार्च 2026 के बीच वन अधिकार अधिनियम, 2006 के तहत 636 व्यक्तिगत दावे तथा 20 सामुदायिक दावे स्वीकृत किए गए हैं। इन दावों के निपटारे के लिए 2259.24 हेक्टेयर भूमि हस्तांतरित की गई है।

मुख्यमंत्री ने निचार, पांगी, भरमौर और लाहौल स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों के कार्यकलापों की भी समीक्षा की। उन्होंने इन विद्यालयों के विद्यार्थियों को सर्वोत्तम सुविधाएं उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। वर्तमान में इन विद्यालयों में 1013 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

बैठक में बागवानी एवं जनजातीय विकास मंत्री जगत सिंह नेगी, अतिरिक्त मुख्य सचिव ओंकार शर्मा, सचिव सी. पालरासू तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

हिमाचल में थमेंगे HRTC बसों के पहिए, सरकार ने ESMA लगाया

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश में आज रात 12 बजे से सरकारी बसों के पहिए थम जाएंगे। हिमाचल पथ परिवहन निगम कर्मचारियों के इस ऐलान के बाद राज्य सरकार ने इसेंशियल सर्विस मेंटीनेंट एक्ट लागू कर इनकी हड़ताल पर रोक लगा दी है। मगर कर्मचारी आर-पार की लड़ाई को तैयार है।

वहीं ACS परिवहन विभाग द्वारा जारी आदेशों के बाद HRTC कर्मचारी अगले छह महीने तक हड़ताल पर नहीं जा सकेंगे। सरकार ने HRTC कर्मचारियों की प्रस्तावित हड़ताल को रोकने के लिए ESMA की पाबंदी लगाई है। सरकार ने आदेशों में स्पष्ट किया कि सार्वजनिक परिवहन सेवाएं यात्रियों की आवाजाही, जरूरी वस्तुओं की सप्लाई और जनहित के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। किसी भी तरह की हड़ताल से आम जनता को परेशानी हो सकती है और आवश्यक सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि कोई भी कर्मचारी हड़ताल शुरू नहीं कर सकता, उसमें शामिल नहीं हो सकता या उसे बढ़ावा नहीं दे सकता। नियमों का उल्लंघन करने पर श्वस्रूके तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सरकार ने HRTC के प्रबंध निदेशक को आदेश दिए कि अधिसूचना को सख्ती से लागू करवाएं और किसी भी उल्लंघन की जानकारी तुरंत सरकार को दें। छ्रष्ट और स्क्क को भी आवश्यक सहयोग देने के निर्देश दिए गए हैं।

656 टैम्परैरी ड्राइवरों भर्ती करेगा HRTC

HRTC ड्राइवरों की हड़ताल के ऐलान के साथ ही सरकार ने 656 टैम्परेरी ड्राइवरों की भर्ती का निर्णय लिया है। इसके लिए कल यानी 24 जून को दोपहर 12 बजे से राज्य के सभी क्षेत्रीय प्रबंधक कार्यालयों में वॉक-इन इंटरव्यू आयोजित किए जाएंगे, जिसके माध्यम से 31 डिपो में लगभग 656 अस्थाई ड्राइवरों की तुरंत नियुक्ति की जाएगी।

विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को हासिल करने में युवा सिविल सेवक निभाएं अग्रणी भूमिका : पीएम

आईएएस 2024 बैच के प्रशिक्षुओं के साथ संवाद, समर्पण के साथ योगदान देने का आह्वान

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

नई दिल्ली, 23 जून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) 2024 बैच के 183 अधिकारी प्रशिक्षुओं से संवाद करते हुए उन्हें विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने के लिए राष्ट्र निर्माण में पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ योगदान देने का आह्वान किया।

सेवा तीर्थ में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने कहा कि दो वर्षों के फील्ड अनुभव और प्रशासनिक प्रशिक्षण के बाद युवा अधिकारी ऐसे महत्वपूर्ण चरण में पहुंचे हैं, जहां उनके फैसले न केवल उनके करियर बल्कि करोड़ों नागरिकों के भविष्य को भी प्रभावित करेंगे।

उन्होंने कहा कि लोकसेवा की वास्तविक परीक्षा ईमानदारी, संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ वास्तविक परिस्थितियों का सामना करने में है। प्रधानमंत्री ने अधिकारियों से नवाचार, उद्देश्यपूर्ण कार्यशैली और नागरिक-केंद्रित शासन के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि प्रशासनिक फाइलों को केवल कागजी प्रक्रिया न समझें, बल्कि यह याद रखें कि हर फाइल के पीछे लाखों लोगों की आकांक्षाएं, समस्याएं और जीवन जुड़े होते हैं। उन्होंने ÷नागरिक देवो भव÷ का मंत्र देते हुए अधिकारियों से हर निर्णय के केंद्र में नागरिकों को रखने और शासन को संवेदनशील, जवाबदेह तथा समावेशी बनाने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि बड़े विकासात्मक लक्ष्यों को विभागीय सीमाओं में रहकर हासिल नहीं किया जा सकता। इसके लिए विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है, जिससे स्थायी और प्रभावी परिणाम सुनिश्चित किए जा सकें।

प्रधानमंत्री ने विकसित भारत 2047 के विजन का उल्लेख करते हुए कहा कि आने वाले वर्षों में प्रत्येक नीति और प्रशासनिक निर्णय देश को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में योगदान देने वाला होना चाहिए। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया, विनिर्माण क्षेत्र के विस्तार, ऊर्जा सुरक्षा और युवाओं के लिए रोजगार एवं अवसर सृजन को वर्तमान समय की प्रमुख प्राथमिकताएं बताया।

उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में शासन व्यवस्था प्रक्रिया-आधारित मॉडल से परिणाम-आधारित मॉडल की ओर बढ़ी है। डिजिटल गवर्नेंस, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और तकनीक की मदद से सेवा वितरण अधिक पारदर्शी और सुगम हुआ है।

आंकड़ों को आकांक्षाओं का प्रतिबिंब मानना चाहिए

डेटा आधारित प्रशासन पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आंकड़ों को केवल संख्या के रूप में नहीं देखना चाहिए, बल्कि उन्हें करोड़ों लोगों के जीवन, चुनौतियों और आकांक्षाओं का प्रतिबिंब मानना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से नियमित रूप से यह मूल्यांकन करने को कहा कि सरकारी नीतियां जमीनी स्तर पर अपेक्षित परिणाम दे रही हैं या नहीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि अधिकारियों को अपने पद या अधिकार से नहीं, बल्कि अपने कार्यों के ठोस और मापनीय परिणामों से संतुष्टि प्राप्त करनी चाहिए।

ऊना में कार खाई में गिरी; बुजुर्ग महिला की मौत, 3 लोग घायल

धार्मिक कार्यक्रम से घर लौट रहा था परिवार, परिजनों को सौंपा शव

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

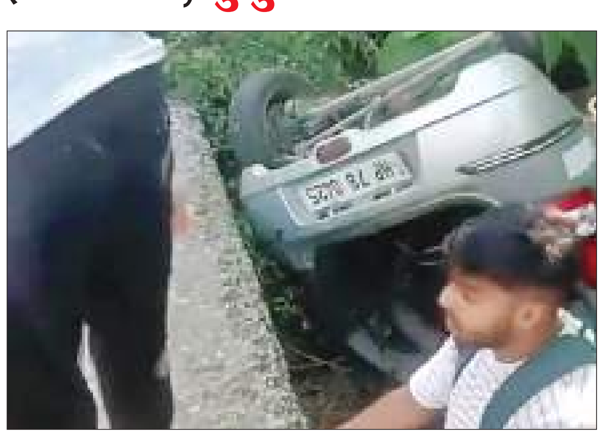

ऊना। जिले के नलवाड़ी में ऊना-भोटा मुख्य सड़क पर एक कार खाई में गिर गई। इसमें एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

मृतका की पहचान हरीनगर गांव निवासी पुष्पा देवी (68) पत्नी धर्म चंद के रूप में हुई है। घायलों में धर्म चंद, जीवन कुमारी और विजय कुमार शामिल हैं। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए सिविल अस्पताल बंगाणा पहुंचाया गया है। पोस्टमार्टम करवाने के बाद आज मृतक महिला का शव परिजनों को सौंपा गया। इसके बाद महिला का अंतिम संस्कार किया गया। धर्म चंद अपने परिवार के सदस्यों के साथ सोमवार शाम हमीरपुर में एक धार्मिक समारोह से वापस अपने घर हरीनगर लौट रहे थे। घर से लगभग दो किलोमीटर पहले नलवाड़ी के पास ऊना-भोटा मुख्य सड़क पर उनकी कार एक पशु को बचाने की कोशिश में अनियंत्रित हो गई। कार पैराफिट से टकराकर गहरी खाई में जा गिरी।

स्थानीय लोगों व पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया : स्थानीय लोगों ने तुरंत बंगाणा पुलिस थाना को सूचित किया। सूचना मिलने पर पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से चारों घायलों को कड़ी मशक्कत के बाद कार से बाहर निकाला गया। उन्हें एंबुलेंस से सिविल अस्पताल बंगाणा ले जाया गया। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने पुष्पा देवी को मृत घोषित कर दिया। अन्य तीन घायलों का उपचार जारी है।

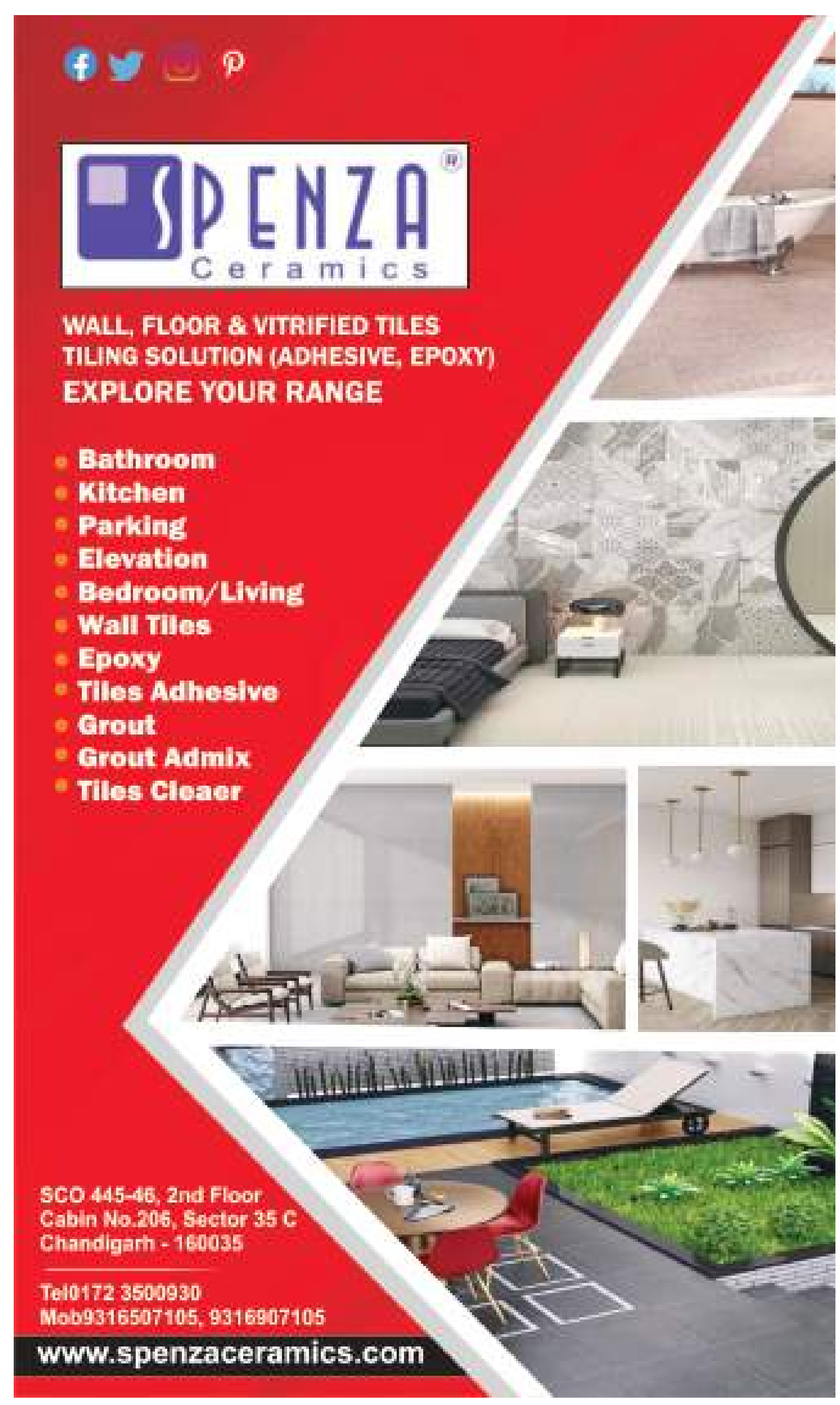

प्रतिबद्धता

16वीं ब्रिक्स राष्ट्रीय सुरक्षा सालहकारों की मीटिंग आयोजित

सुरक्षा चुनौतियों का सामना कर रही दुनिया में ब्रिक्स की है खास भूमिका : डोभाल

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

नई दिल्ली, 23 जून। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने मंगलवार को कहा कि ब्रिक्स केवल देशों के समूह से कहीं ज्यादा है। उन्होंने इसे दुनिया की लगभग आधी आबादी का एक सामूहिक घर बताया, जिसकी वैश्विक चुनौतियों से निपटने में खास भूमिका है। खासतौर से ऐसे समय में जब अंतरराष्ट्रीय सिस्टम बढ़ती अस्थिरता, भू-राजनीतिक तनाव और बदलते सुरक्षा खतरों का सामना कर रहा है।

16वीं ब्रिक्स राष्ट्रीय सुरक्षा सालहकारों की मीटिंग में एनएसए अजित डोभाल ने अपने समकक्षों का स्वागत किया और सदस्य देशों के बीच सहयोग को मजबूत करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने समूह के अंदर सहयोग को आगे बढ़ाने में लगातार जुड़े रहने और समर्थन के लिए हिस्सा लेने वाले देशों को धन्यवाद दिया।

एनएसए अजित डोभाल ने अपने भाषण की शुरुआत में कहा, मैं आज आपकी मौजूदगी और ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग को मजबूत करने के आपके लगातार कमिटमेंट के लिए आप सभी का शुक्रिया अदा करता हूं।

मौजूदा वैश्विक हालात को हाइलाइट करते हुए, उन्होंने कहा कि दुनिया एक खास तौर पर मुश्किल दौर से गुजर रही है, जिसमें हथियारों से जुड़ी लड़ाइयां, भू-राजनीतिक अनिश्चितता, आर्थिक दबाव और ऐसी विघटनकारी प्रौद्योगिकी का आना शामिल है जो अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के माहौल को बदल रही हैं।

उन्होंने कहा, हम बहुत मुश्किल समय में मिल रहे हैं। दुनिया सैन्य झगड़ों और मुश्किल सुरक्षा समस्याओं से जूझ रही है। यह भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं, आर्थिक दबाव और विघटनकारी प्रौद्योगिकी का सामना कर रही है।

चुनौतियां को मैनेज करना कठिन हो रहा...

एनएसए अजित डोभाल ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने जो चुनौतियां हैं, वे तेजी से मुश्किल होती जा रही हैं और उन्हें मैनेज करना कठिन हो रहा है, जबकि मौजूदा संस्थागत फ्रेमवर्क और झगड़े सुलझाने के तरीके असरदार तरीके से जवाब देने में मुश्किल हो रहे हैं। उन्होंने कहा, न केवल खतरे और अधिक जटिल तथा आपस में जुड़े हुए होते जा रहे हैं, बल्कि उनसे निपटने या उनके प्रभाव को कम करने के लिए मौजूद साधन और संस्थागत तंत्र भी लगातार अपर्याप्त साबित हो रहे हैं। बहुपक्षीय सहयोग के कमजोर होने पर चिंता जताते हुए, एनएसए डोभाल ने कहा कि ग्लोबल सिस्टम में बहुपक्षवाद में गिरावट देखी जा रही है, ऐसे समय में जब मिलकर काम करने की जरूरत पहले से कहीं ज्यादा है। उन्होंने ब्रिक्स बनाने के पीछे के असली विजन को याद करते हुए कहा, बहुपक्षावाद कम हो रहा है। एनएसए अजित डोभाल के मुताबिक, ब्रिक्स को उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं के एक अनौपचारिक समूह के तौर पर सोचा गया था, जिसका मकसद ज्यादा मल्टीपोलर वर्ल्ड ऑर्डर को बढ़ावा देना, आर्थिक सहयोग बढ़ाना और अंतरराष्ट्रीय मामलों में ग्लोबल साउथ की आवाज को बुलंद करना था। उन्होंने कहा कि यह समूह ग्लोबल गवर्नेंस स्ट्रक्चर में सुधार और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को बेहतर बनाने की उम्मीद पर भी बना है, ताकि वे आज की सच्चाई और विकासशील देशों के हितों को बेहतर ढंग से दिखा सकें।

ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने पूर्व मुख्यमंत्री की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय वीरभद्र सिंह की जयंती के अवसर पर आज शिमला के रिज पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने राज्य के विकास में वीरभद्र सिंह के योगदान को स्मरण किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वीरभद्र सिंह कांग्रेस पार्टी के एक महान नेता थे जिन्होंने छः बार हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में सेवाएं दी। उन्होंने प्रदेश के सभी क्षेत्रों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया और आज हम उनके अमूल्य योगदान को स्मरण कर रहे हैं।

इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया, राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी, लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह, उप-मुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया, विधायक एवं हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विनय कुमार, विधायक हरीश जनारथा एवं चंद्र शेखर, महापौर सुरेंद्र चौहान, उप-महापौर उमा कौशल, पार्षदगण, राज्य बाल कल्याण परिषद की महासचिव जैनब चंदेल, हिमुडा के उपाध्यक्ष यशवंत छाजटा, हिमको फेडरेशन के अध्यक्ष विक्रम शर्मा तथा अन्य गणमान्यों ने भी पूर्व मुख्यमंत्री को पुष्पांजलि अर्पित की।

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस पर मुख्यमंत्री ने ओलंपिक मैराथन का किया शुभारंभ

सुक्खू ने दिखाई हरी झंडी, 200 खिलाड़ी दौड़े

अर्थ प्रकाश/अनिल कुमार शर्मा

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस के अवसर पर अपने आधिकारिक निवास 'ओक ओवर' से ओलंपिक मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह दौड़ सीटीओ मार्ग से होते हुए इंदिरा गांधी खेल परिसर, शिमला में संपन्न हुई। इस मैराथन में पुरुष एवं महिला वर्गों में लगभग 200 खिलाड़ियों ने भाग लिया। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। खेल भी शिक्षा का एक स्वरूप है। जिस प्रकार विद्यार्थी शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं, उसी प्रकार खिलाड़ियों को भी खेलों में उपलब्धियां हासिल कर प्रदेश का नाम रोशन करने के लिए प्रयास निरन्तर जारी रखने चाहिए।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हिमाचल प्रदेश में 'खेलो इंडिया' प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए लगातार प्रयास कर रही है। युवाओं के हित में बिलासपुर, कांगड़ा, ऊना और हमीरपुर जिलों में सुदृढ़ खेल अवसंरचना विकसित की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त, हमीरपुर जिले के नादौन में 150 करोड़ रुपये की लागत से खेलों के लिए एक उत्कृष्टता का केन्द्र स्थापित किया जा रहा है, जिसके इस वर्ष अक्तूबर महीने तक पूरा होने की संभावना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन और टीम भावना का विकास करते हैं, जो जीवन में सफलता के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने युवाओं से राज्य सरकार के नशा-विरोधी अभियान का सक्रिय समर्थन करने तथा नशामुक्त और स्वस्थ समाज के निर्माण में योगदान देने का भी आह्वान किया। सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार ने अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में पदक विजेताओं के लिए नकद पुरस्कार राशि में ऐतिहासिक वृद्धि की है। ओलंपिक, पैरालंपिक और शीतकालीन ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ियों के लिए पुरस्कार राशि को तीन करोड़ रुपये से बढ़ाकर पांच करोड़ रुपये किया गया है।

मुख्यमंत्री ने शिमला के ऑकलैंड टनल में कार पार्किंग सुविधा का उद्घाटन किया

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने शिमला शहर में ऑकलैंड टनल के निकट नवनिर्मित बहुमंजिला कार पार्किंग सुविधा का उद्घाटन किया। इस पार्किंग का निर्माण 7.60 करो? रुपये की लागत से किया गया है जिसमें 145 वाहनों के लिए पार्किंग सुविधा उपलब्ध है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आधुनिक नागरिक सुविधाएं उपलब्ध करवाने तथा सुनियोजित शहरी विकास सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह पार्किंग सुविधा ऑकलैंड टनल क्षेत्र और उसके आसपास की प्रमुख स?कों पर यातायात का दबाव कम करने, स?क किनारे होने वाली पार्किंग की समस्या से छुटकारा पाने तथा वाहनों की सुचारु आवाजाही सुनिश्चित करने में सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार राजधानी शिमला को अधिक सुलभ, व्यवस्थित और यात्रियों के अनुकूल बनाने के उद्देश्य से विभिन्न आधारभूत संरचना परियोजनाओं पर कार्य कर रही है। यातायात प्रबंधन में सुधार और पर्याप्त सार्वजनिक अवसंरचना का निर्माण सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिमला में वाहनों की संख्या में तेजी से हुई वृद्धि के कारण यातायात नियंत्रण और पार्किंग प्रबंधन गंभीर चुनौतियों के रूप में उभरी है।

आंगनबाड़ी रेडीनेस मेला-1 में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा, खेल-खेल में सीखने का दिया संदेश

अर्थ प्रकाश/रोहित शर्मा

ऊना, 23 जून। बाल विकास परियोजना ऊना के वृत्त बाबा रुद्रू के अंतर्गत आंगनवाड़ी केंद्र धमान्दरी मंसोह एवं डठवाड़ा-2 द्वारा रेडीनेस मेला-1 का सफल आयोजन डठवाड़ा सामुदायिक भवन में किया गया। यह मेला पर्यवेक्षक नानकी देवी के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ, जिसका उद्देश्य 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करना था

मेले का शुभारंभ नवनिर्वाचित प्रधान चनन सिंह, उपप्रधान गुरजीत सिंह, बीडीसी सदस्य पूनम कुमारी, वार्ड पंच जीत सिंह, रेणु वाला, सन्तोष, उर्मिला, महिला मंडल प्रधान निशा देवी तथा एनजीओ प्रथम से मधु द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। पर्यवेक्षक नानकी देवी ने कहा कि इस प्रकार के रेडीनेस मेले बच्चों में आत्मविश्वास रचनात्मकता एवं सीखने की रुचि को बढ़ावा देते हैं। हमारा प्रयास है कि प्रत्येक बच्चा स्वस्थ, शिक्षित और संस्कारित बने तथा भविष्य में एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में विकसित हो।

मेले में बच्चों के शारीरिक, बौद्धिक, भाषाई, सामाजिक एवं भावनात्मक विकास से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। साथ ही गणितीय पूर्व तैयारी और सीखने की बुनियादी क्षमताओं को विकसित करने के लिए आकर्षक एवं रोचक गतिविधियां आयोजित की गई।

अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के मामलों की प्रभावी पैरवी सुनिश्चित करें : डी.सी. राहुल

अर्थ प्रकाश /अजय मल्होत्रा

बिलासपुर, 23 जून। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा जिला मुख्यालय स्थित बचत भवन में अनुसूचित जाति एवं जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के अंतर्गत जिला स्तरीय सतर्कता एवं प्रबोधन समिति की त्रैमासिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने की।

बैठक में अधिनियम के तहत जिला में दर्ज मामलों तथा पीड़ितों को प्रदान की गई राहत राशि की समीक्षा की गई। बताया गया कि वर्ष 2026-27 के दौरान अनुसूचित जाति एवं जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के अंतर्गत छह एफआईआर दर्ज की गई हैं। इनमें से एक मामले में जांच पूर्ण होने के उपरांत न्यायालय में चालान प्रस्तुत किया जा चुका है, जबकि चार मामलों में जांच प्रक्रिया जारी है। एक मामले को जांच के उपरांत बंद कर दिया गया है।

बैठक में यह भी अवगत करवाया गया कि अधिनियम के तहत सभी छह पीड़ितों को कुल 2 लाख 45 हजार रूपए की राहत राशि प्रदान की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त जिला बिलासपुर में अधिनियम के अंतर्गत न्यायालयों में विचाराधीन मामलों की संख्या 43 है। उपायुक्त राहुल कुमार ने जिला न्यायवादी को निर्देश दिए कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के अंतर्गत लंबित सभी मामलों की प्रभावी एवं सुदृढ़ पैरवी सुनिश्चित की जाए ताकि पीड़ितों को समयबद्ध न्याय मिल सके। उन्होंने संबंधित विभागों को भी अधिनियम के प्रावधानों के प्रभावी क्रियान्वयन तथा पात्र लाभार्थियों को समय पर सहायता उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया।

मंडी जिला की महिला होमगार्ड भर्ती, कल से शुरू होगी, 2,689 अभ्यर्थियों ने किया आवेदन

अर्थ प्रकाश/सुभाग सचदेवा

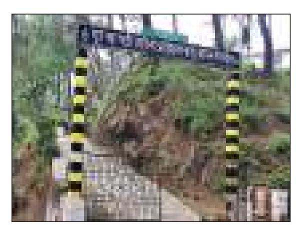

गोहर, 23 जून। जिला मंडी के जासन (चैलचौक) स्थित छठी वाहिनी प्रशिक्षण केंद्र में कल से महिला होमगार्ड भर्ती प्रक्रिया शुरू होगी। होमगार्ड भर्ती बोर्ड के अध्यक्ष कुशल चन्द कटोच ने बताया कि 29 रिक्त पदों के लिए कुल 2,689 महिला अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। उन्होंने बताया कि भर्ती प्रक्रिया लगातार तीन दिनों तक चलेगी। भर्ती कार्यक्रम के अनुसार 24 जून को 900, 25 जून को 900 तथा 26 जून को 889 महिला अभ्यर्थियां शारीरिक दक्षता परीक्षा एवं दस्तावेज सत्यापन प्रक्रिया में भाग लेंगी। भर्ती को निष्पक्ष एवं पारदर्शी बनाने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं तथा सुरक्षा, चिकित्सा एवं पेयजल की सुविधाएं भी उपलब्ध रहेंगी।

उल्लेखनीय है कि इस भर्ती प्रक्रिया में केवल जिला मंडी की महिला अभ्यर्थियां ही भाग ले रही हैं। वहीं हिमाचल प्रदेश के सभी जिलों में अपने-अपने स्तर पर होमगार्ड भर्ती प्रक्रिया संचालित की जा रही है। होमगार्ड भर्ती बोर्ड के अध्यक्ष कुशल चन्द कटोच ने सभी अभ्यर्थियों से निर्धारित समय पर भर्ती स्थल पर पहुंचने तथा अपने आवश्यक दस्तावेज साथ लाने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी एवं शासन द्वारा निर्धारित नियमों एवं दिशा-निर्देशों के अनुरूप संचालित की जाएगी।

सतपाल सत्ती ने नगर निगम आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

अर्थ प्रकाश/रोहित शर्मा

ऊना, 23 जून। ऊना विधानसभा क्षेत्र के विधायक सतपाल सिंह सत्ती ने मंगलवार को नगर निगम ऊना के आयुक्त पृथी पाल सिंह से मुलाकात कर शहर से जुड़े विभिन्न जनहित के मुद्दों को लेकर एक ज्ञापन सौंपा। इस दौरान उन्होंने विशेष रूप से शहर में लगातार बढ़ रही आवारा कुत्तों की समस्या तथा आगामी बरसात के मौसम को देखते हुए ड्रेनेज व्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग उठाई।

विधायक सतपाल सत्ती ने कहा कि जिला मुख्यालय ऊना में आवारा कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिसके चलते बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों तथा अन्य नागरिकों की सुरक्षा पर खतरा मंडरा रहा है। हाल के दिनों में कई लोगों पर आवारा कुत्तों द्वारा हमले की घटनाएं सामने आई हैं, जिससे लोगों में भय का माहौल है। उन्होंने नगर निगम प्रशासन से आवारा कुत्तों के नियंत्रण और प्रबंधन के लिए प्रभावी कदम उठाने तथा इस समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित करने की मांग की।

इसके अलावा विधायक ने आगामी मानसून सीजन को देखते हुए नगर निगम क्षेत्र के सभी नालों, नालियों और ड्रेनेज सिस्टम की व्यापक सफाई करवाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि बरसात के दौरान जलभराव की समस्या से बचने और लोगों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए समय रहते आवश्यक कदम उठाना बेहद जरूरी है। कई स्थानों पर नालियां गाद और कचरे से भरी हुई हैं, जिन्हें तत्काल साफ किए जाने की आवश्यकता है।

सत्ती ने कहा कि नगर निगम को बरसात शुरू होने से पहले एक विशेष अभियान चलाकर ड्रेनेज व्यवस्था को पूरी तरह सुचारू बनाना चाहिए, ताकि जलभराव, गंदगी और संभावित नुकसान की स्थिति उत्पन्न न हो। उन्होंने उम्मीद जताई कि नगर निगम प्रशासन दोनों मुद्दों पर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करेगा और शहरवासियों को राहत प्रदान करेगा।

इस अवसर पर अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं भाजपा कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

महाराजा अग्रसेन विश्वविद्यालय में मनाया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

बद्दी। महाराजा अग्रसेन विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य योग के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना तथा विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम का आयोजन एनएसएस समन्वयक मीनाक्षी गिल के निर्देशन में किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रदीप सिंह वालिया, प्रो-चांसलर प्रो. आर.के. गुप्ता, चांसलर नॉमिनी श्री सुरेश गुप्ता तथा रजिस्ट्रार प्रो. पंकज नांगलिया की गरिमामयी उपस्थिति रही। विश्वविद्यालय के सभी स्कूलों के डीन, निदेशक, संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों ने कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लिया और सामूहिक रूप से विभिन्न योगासनों तथा प्राणायाम का अभ्यास किया। कुलपति प्रो. प्रदीप सिंह वालिया ने अपने संदेश में कहा कि नियमित योगाभ्यास तनावमुक्त एवं अनुशासित जीवन का आधार है तथा युवाओं को इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए। प्रो-चांसलर प्रो. आर.के. गुप्ता ने योग को वैश्विक स्तर पर भारत की महत्वपूर्ण देन बताते हुए इसके व्यापक प्रचार-प्रसार की आवश्यकता पर बल दिया। वहीं चांसलर नॉमिनी सुरेश गुप्ता ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए एनएसएस इकाई के प्रयासों की सराहना की तथा सभी प्रतिभागियों से स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन के लिए योग को नियमित रूप से अपनाने का आह्वान किया।

सिरमौर जिला परिषद की अध्यक्ष बनी शिवानी

नाहन /सोलन। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने सिरमौर जिला परिषद में भाजपा समर्थित शिवानी के जिला परिषद अध्यक्ष तथा बलदेव भंडारी के उपाध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने पर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि यह जीत केवल दो व्यक्तियों की जीत नहीं है, बल्कि सिरमौर की जनता के विश्वास, विकास और सुशासन के प्रति आस्था की जीत है। डॉ. बिंदल ने कहा कि जिला परिषद चुनावों में जनता ने भाजपा समर्थित उम्मीदवारों पर जो विश्वास व्यक्त किया है, वह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि प्रदेश की जनता कांग्रेस सरकार की जनविरोधी नीतियों, वादाखिलाफी और कुशासन से पूरी तरह निराश हो चुकी है। सिरमौर जिला परिषद में भाजपा समर्थित अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का निर्वाचित होना आने वाले राजनीतिक परिवर्तन का स्पष्ट संकेत है। डॉ. बिंदल ने कहा कि कांग्रेस ने चुनावों के दौरान जो गारंटियां दी थीं, उनमें से अधिकांश आज भी अधूरी हैं। महिलाओं, युवाओं, कर्मचारियों, किसानों और आम जनता से किए गए वादे पूरे नहीं हुए हैं। परिणामस्वरूप प्रदेश की जनता का कांग्रेस सरकार से विश्वास उठ चुका है और लोग भाजपा को एक मजबूत विकल्प के रूप में देख रहे हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने विश्वास व्यक्त किया कि नव निर्वाचित जिला परिषद अध्यक्ष शिवानी और उपाध्यक्ष बलदेव भंडारी सिरमौर जिले के समग्र विकास, ग्रामीण क्षेत्रों के सशक्तिकरण और जनसमस्याओं के समाधान के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा सदैव विकास, सेवा और जनहित की राजनीति में विश्वास रखती है और इसी संकल्प के साथ प्रदेश में जनता के बीच कार्य कर रही है।

सीएम सुख्खू बताएं कि 2 साल से तैयार मेडिकल कॉलेज भवन क्यों धूल फांक रहा, अभी तक कक्षाएं और सुविधाएं क्यों नहीं हुई शुरू : अनुराग

अर्थ प्रकाश/शिल्पा शर्मा

हमीरपुर। प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा देशभर में उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित विशेष प्रदर्शनी आयोजित की जा रही है। इसी कड़ी में हमीरपुर के गांधी चौक पर जिला भाजपा द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का उद्घाटन एवं अवलोकन पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं हमीरपुर सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने किया। इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष राकेश ठाकुर सहित विधायक आशीष शर्मा, प्रदेश महिला मोर्चा महामंत्री कमलेश कुमारी, पूर्व विधायक विजय अग्निहोत्री एवं डॉ. अनिल धीमान और जिला व मंडल स्तर के पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रदर्शनी के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए अनुराग सिंह ठाकुर ने केंद्र सरकार की 12 वर्षों की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हुआ है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की प्रतिष्ठा में निरंतर वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती यूपीए शासन के दौरान भ्रष्टाचार और नीतिगत अस्थिरता के कारण देश की अर्थव्यवस्था प्रभावित हुई थी, जबकि वर्तमान सरकार ने सुशासन, पारदर्शिता और विकास को प्राथमिकता दी है। हमीरपुर मेडिकल कॉलेज को लेकर मुख्यमंत्री द्वारा दिए जा रहे बयानों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि पंचायत चुनावों में मिली निराशा के बाद मुख्यमंत्री तथ्यहीन बयानबाजी कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि किसी परियोजना की घोषणा करना पर्याप्त नहीं होता, बल्कि उसके लिए वित्तीय प्रावधान और गंभीर प्रयास भी आवश्यक होते हैं। उनके अनुसार आचार संहिता लागू होने से ठीक पहले मेडिकल कॉलेज की घोषणा तो कर दी गई थी, लेकिन उसके लिए बजट का कोई समुचित प्रबंध नहीं किया गया था।

भारतीय जनता पार्टी द्वारा मंगलवार को भोटा के समीप पटेरा चौक पर हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) की बस सेवाओं में लगातार की जा रही कटौती के विरोध में धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। इस प्रदर्शन में पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं हमीरपुर सांसद अनुराग सिंह ठाकुर, बड़सर के विधायक इंद्रदत्त लखनपाल, भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह करेंगे पिपलू मेले का शुभारंभ

अर्थ प्रकाश/रोहित शर्मा

बंगाणा (ऊना), 23 जून। लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह 24 जून को जिला स्तरीय ऐतिहासिक पिपलू मेला-2026 का शुभारंभ करेंगे। निर्जला एकादशी के अवसर पर 24 से 26 जून तक भगवान श्री नरसिंह देव मंदिर, पिपलू में आयोजित होने वाले इस मेले में धार्मिक अनुष्ठानों के साथ-साथ सांस्कृतिक, खेल एवं मनोरंजक गतिविधियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। मेले के तहत 26 जून को बंगाणा के भलेत में कुटलैहड़ महोत्सव का आयोजन भी किया जाएगा। उपमंडलाधिकारी बंगाणा एवं मेला समिति के अध्यक्ष सोनू गोयल ने बताया कि मेले के शुभारंभ अवसर पर 24 जून को सुबह 10 बजे बंगाणा में भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें लोक निर्माण मंत्री श्री विक्रमादित्य सिंह शामिल होंगे। इसके उपरांत वे पिपलू स्थित भगवान श्री नरसिंह देव मंदिर में पूजा-अर्चना एवं ध्वजारोहण की रस्म के साथ जिला स्तरीय ऐतिहासिक पिपलू मेला-2026 का विधिवत शुभारंभ करेंगे। इस अवसर पर विशेष अतिथि के तौर पर गगरेट के विधायक श्री राकेश कालिया और कुटलैहड़ के विधायक श्री विवेक शर्मा (विक्कू) भी उपस्थित रहेंगे।

उन्होंने बताया कि मेले में विभिन्न विभागों की विकासात्मक प्रदर्शनी, खेलकूद प्रतियोगिताएं, स्थानीय एवं उभरती प्रतिभाओं की प्रस्तुतियां तथा सांस्कृतिक संध्याओं का आयोजन किया जाएगा। 24 जून को प्रसिद्ध लोक गायक काकू राम ठाकुर, 25 जून को सुप्रसिद्ध गायक कुमार साहिल और सुनील मस्ती तथा 26 जून को हिमाचली गायक इशांत भारद्वाज और मोहित गर्ग अपनी प्रस्तुतियां देंगे।

शूलिनी विवि में एआई और ह्यूमन-कंप्यूटर इंटरेक्शन पर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस आयोजित

अर्थ प्रकाश/यशपाल कपूर

सोलन। शूलिनी यूनिवर्सिटी के योगानंद स्कूल ऑफ़ ऐ आई , कंप्यूटर्स एंड डेटा साइंसेज ने IIIT ऊना और IIT रोपड़ के टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब के साथ मिलकर सोमवार को ह्यूमन-कंप्यूटर इंटरेक्शन और कॉग्निटिव कंप्यूटिंग पर दूसरी इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस आयोजित की।

इस कॉन्फ्रेंस में भारत और विदेशों से एकेडेमिशियन, रिसर्चर, इंडस्ट्री प्रोफेशनल्स और स्टूडेंट्स शामिल हुए। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ह्यूमन-कंप्यूटर इंटरेक्शन, कॉग्निटिव कंप्यूटिंग, हेल्थकेयर और सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग के क्षेत्र में हालिया डेवलपमेंट और भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा की।

कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन समारोह के साथ हुई, जिसके बाद इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी फैकल्टी के डीन प्रो. वीरेंद्र रिहानी ने स्वागत भाषण दिया। उद्घाटन सत्र में यूनिवर्सिटी के लीडर्स, आमंत्रित एक्सपर्ट्स और विभिन्न संस्थानों के प्रतिभागी शामिल हुए। शूलिनी यूनिवर्सिटी के चांसलर प्रो. पी. के. खोसला ने असल दुनिया की समस्याओं को हल करने में रिसर्च और इनोवेशन के महत्व के बारे में बात की। उन्होंने स्टूडेंट्स और रिसर्चर्स को ऐसी टेक्नोलॉजी और समाधान विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया जिनसे समाज को लाभ हो। कॉन्फ़्रेंस के मुख्य अतिथि प्रो. एच. एस. बावेजा ने अलग-अलग क्षेत्रों और संस्थानों के बीच सहयोग के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि ज्ञान को आगे बढ़ाने और जटिल चुनौतियों का सामना करने के लिए एकेडेमिया, इंडस्ट्री और रिसर्च संगठनों के बीच साझेदारी ज़रूरी है।

भाजपा संगठन की मजबूती से विपक्ष के हौसले पस्त : सुरेंद्र

अर्थ प्रकाश/अशेष शर्मा

बंजार (कुल्लू), 23 जून। बंजार विकास खंड के अंतर्गत आज पंचायत समिति बंजार के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष पद के चुनाव संपन्न हुए। सैंज घाटी के सुचैहन वार्ड से समिति सदस्य लता ठाकुर अध्यक्ष तथा तीर्थन घाटी के तुंग वार्ड से युवा सदस्य पवन सिंह उपाध्यक्ष निर्वाचित हुए। इस अवसर पर भाजपा ने पंचायत समिति बंजार पर ऐतिहासिक एवं निर्विरोध विजय दर्ज करते हुए अपना परचम लहराया। 15 सदस्यीय समिति में भाजपा समर्थित 12 सदस्य मतदान प्रक्रिया के लिए उपस्थित रहे, जबकि कांग्रेस नामांकन तक दाखिल नहीं कर पाई।

परिणामस्वरूप अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष दोनों पदों पर भाजपा प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित हुए। इस जीत पर बंजार विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुरेंद्र शौरी ने सभी नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह परिणाम भाजपा संगठन की एकजुटता, कार्यकर्ताओं की मेहनत और क्षेत्र की जनता के अटूट विश्वास का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि पंचायत समिति और नगर पंचायत दोनों संस्थाओं में भाजपा को मिला जनसमर्थन स्पष्ट संकेत देता है कि क्षेत्र की जनता विकास और सुशासन की राजनीति के साथ खड़ी है। विधायक शौरी ने कहा कि बंजार भाजपा संगठन आज पहले से अधिक मजबूत और संगठित होकर कार्य कर रहा है। जनता ने केवल चुनावी मौसम में दिखाई देने वाले नेताओं और भ्रामक राजनीति करने वालों को करारा जवाब दिया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेश में जनता कांग्रेस सरकार की जनविरोधी नीतियों का जवाब लोकतांत्रिक तरीके से दे रही है और आने वाले समय में यह जनभावना और अधिक स्पष्ट होकर सामने आएगी। उन्होंने कहा कि पंचायत समिति बंजार की नई टीम के साथ समन्वय स्थापित कर क्षेत्र के विकास कार्यों को गति देने, ग्रामीण आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने तथा जनसमस्याओं के समाधान के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे। विधायक ने आशा व्यक्त की कि नई समिति जनहित को सर्वोपरि रखते

हुए विकास के नए आयाम स्थापित करेगी। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने पंचायत समिति पर मिली इस ऐतिहासिक जीत का स्वागत करते हुए इसे संगठन की सामूहिक मेहनत और जनता के विश्वास की विजय बताया।

नीट प्रतिबंध समाप्त, गूगल प्ले स्टोर पर टेलीग्राम बहाल

नई दिल्ली ।

बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल ने मंगलवार सुबह अपने प्ले स्टोर पर मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम को बहाल कर दिया। यह कदम सरकार द्वारा राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) की पुनर्परीक्षा के दौरान प्रश्न पत्र लीक रोकने के उद्देश्य से लगाए गए अस्थाई प्रतिबंध की अवधि 22 जून की मध्यरात्रि को समाप्त होने के बाद उठाया गया है। गूगल द्वारा बहाली से पहले ही यह प्लेटफॉर्म कुछ मौजूदा उपयोगकर्ताओं के लिए चालू हो गया था। हालांकि, एप्पल के ऐप स्टोर पर मंगलवार सुबह करीब 10 बजे तक टेलीग्राम उपलब्ध नहीं था, और कंपनी को भेजे गए ईमेल का तत्काल कोई जवाब नहीं मिला। सरकार ने 22 जून तक टेलीग्राम को ऐप स्टोर से हटाने का निर्देश दिया था, जिसका उद्देश्य 21 जून को आयोजित नीट-यूजी पुनर्परीक्षा के दौरान प्रश्न पत्र लीक को रोकना था। पिछली परीक्षा 3 मई को प्रश्न पत्र लीक के आरोपों के बाद रद्द कर दी गई थी। पुनर्परीक्षा में अब तक किसी धोखाधड़ी की खबर नहीं है। टेलीग्राम को 30 जून तक पहले से भेजे गए संदेशों के संपादन की सुविधा बंद करने को भी कहा गया है ताकि प्रश्न पत्र लीक मामलों में साक्ष्यों के दुरुपयोग को रोका जा सके। टेलीग्राम के सीईओ पावेल ड्यूरोव ने इस प्रतिबंध की आलोचना की थी और आरोप लगाया था कि यह लीक नहीं रोकेगा। उन्होंने रिलायंस समूह पर व्हाट्सऐप के साथ मिलकर भारत में ऐप प्रतिबंध के लिए पैरवी करने का भी आरोप लगाया था।

एनएसई इमर्ज का मार्केट कैप 2.3 लाख करोड़ के पार

731 कंपनियां सूचीबद्ध, 160 मुख्य बोर्ड में पहुंचीं; महाराष्ट्र, गुजरात और दिल्ली का दबदबा

मुंबई ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के इमर्ज प्लेटफॉर्म ने अपने मार्केट कैपिटलाइजेशन में 2.3 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया है। यह उपलब्धि भारत के छोटे और मध्यम उद्यमों के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन है और इस प्लेटफॉर्म को व्यवसायों के लिए एक प्रमुख लॉन्चपैड के रूप में स्थापित करती है। मई 2026 तक, इस प्लेटफॉर्म पर 731 कंपनियां सूचीबद्ध थीं, जिन्होंने आईपीओ के माध्यम से करीब 23,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इन कंपनियों का कुल बाजार मूल्यांकन लगभग 2.3 लाख करोड़ रुपये है। एनएसई ने पुष्टि की है कि इमर्ज प्लेटफॉर्म व्यवसायों के लिए एक प्रभावी लॉन्चपैड साबित हुआ है, जिसके तहत 160 कंपनियां सफलतापूर्वक मुख्य बोर्ड (मेनबोर्ड) में स्थानांतरित हो चुकी हैं। इस प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होने वाली कंपनियों में महाराष्ट्र, गुजरात और दिल्ली का वर्चस्व रहा है। इन तीनों राज्यों की कंपनियों ने मिलकर कुल जुटाई गई धनराशि का लगभग दो-तिहाई हिस्सा जुटाया है। महाराष्ट्र 204 लिस्टेड कंपनियों के साथ अग्रणी है, जिन्होंने 6,256 करोड़ रुपये जुटाए हैं। गुजरात 182 कंपनियों और 4,846 करोड़ रुपये के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि दिल्ली की 102 एसएमई ने 3,745 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इन तीन राज्यों की कुल 488 कंपनियां इमर्ज प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध हैं।

सोना 1,161 रुपए और चांदी 6,469 रुपए तक लुढ़की

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी के वायदा भाव में मंगलवार को उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। घरेलू मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) और अंतर्राष्ट्रीय कॉमैक्स (कॉमेक्स) दोनों पर कीमती धातुओं के दाम गिरावट के साथ खुले, और खबर लिखे जाने तक नरमी बरकरार रही, जिससे निवेशकों में चिंता देखी गई। घरेलू बाजार में एमसीएक्स पर सोने का अगस्त बेंचमार्क कॉन्ट्रैक्ट 2,093 रुपए की गिरावट के साथ 1,46,776 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला। यह कॉन्ट्रैक्ट खबर लिखे जाने तक 1,161 रुपए की गिरावट के साथ 1,46,957 रुपए पर कारोबार कर रहा था, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,48,118 रुपए था। इस साल सोना 1,80,779 रुपए के सर्वोच्च स्तर को छू चुका है। इसी तरह चांदी का जुलाई बेंचमार्क कॉन्ट्रैक्ट भी 3,903 रुपए की गिरावट के साथ 2,27,676 रुपए प्रति किलोग्राम पर खुला। खबर लिखे जाने तक यह कॉन्ट्रैक्ट 6,469 रुपए की भारी गिरावट के साथ 2,27,841 रुपए पर कारोबार कर रहा था। इसका पिछला बंद भाव 2,34,310 रुपए था।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 893 निफ्टी 278 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान आईटी , मेटल और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के शेयरों में भारी बिकवाली रही। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली से भी बाजार टूटा। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 893.39 अंक करीब नीचे आकर 76,200.68 पर बंद हुआ जबकि एनएससई निफ्टी 278.80 अंक की गिरावट के साथ ही 23,824.10 पर पहुंच गया।वहीं व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 1.05 गिरावट दर्ज की गयी है। सेक्टरवार देखें, तो निफ्टी मेटल 3 फीसदी से ज्यादा नीचे आया। इसके अलावा निफ्टी आईटी और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का

प्रदर्शन भी कमजोर रहा, वहीं निफ्टी फार्मा और निफ्टी हेल्थकेयर के शेयर लाभ में रहे। निफ्टी50 इंडेक्स में इंफोसिस, विप्रो, टीसीएस और जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयर सबसे अधिक गिरे जबकि टाटा स्टील, हिंडाल्को, बीईएल और जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयरों में 2 फीसदी से ज्यादा की गिरावट रही।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

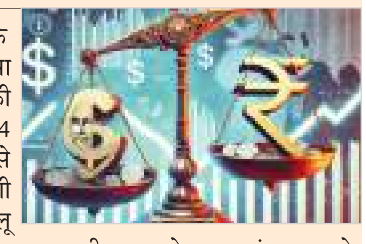

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 11 पैसे की गिरावट के साथ ही 94.74 पर बंद हुआ। वहीं इससे पहले आज सुबह विदेशी पूंजी की निकासी और घरेलू शेयर बाजारों में कमजोर शुरुआत की वजह से रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में छह पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.69 पर खुला। डॉलर के मजबूत होने और करीब 13 महीने के उच्च स्तर के आसपास बने रहने से ही घरेलू मुद्रा पर दबाव है। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.73 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में थोड़ा मजबूत होकर डॉलर के मुकाबले 94.69 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से छह पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को 30 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.63 पर बंद हुआ था।

आरेकल ने 21,000 नौकरियां घटाई, एआई को बताया मुख्य कारण

एक साल में कार्यबल 1.62 लाख से घटकर 1.41 लाख हुआ

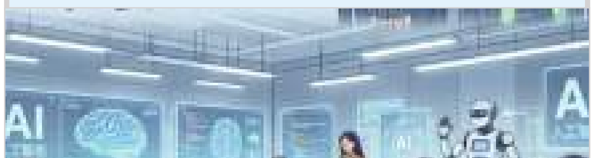

नई दिल्ली।

दिग्गज टेक कंपनी आरेकल कार्प ने पिछले एक साल में अपने वैश्विक कार्यबल में लगभग 21,000 कर्मचारियों की भारी कटौती की है। कंपनी ने अपनी वार्षिक नियामक फाइलिंग में इस छंटनी का मुख्य कारण आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीकों को अपनाना और उनके व्यापक उपयोग को बताया है। सोमवार को जारी फाइलिंग में आरेकल ने स्वीकार किया कि उसके परिचालन में एआई तकनीकों के बढ़ते एकीकरण ने कुछ पदों की आवश्यकता कम कर दी है, जिसका असर कर्मचारियों की संख्या पर पड़ा। 31 मई को समाप्त हुए वित्त वर्ष के अंत तक कंपनी के वैश्विक पूर्णकालिक कर्मचारियों की संख्या घटकर 1.41 लाख रह गई, जो एक वर्ष पहले 1.62 लाख थी। इस बड़ी कटौती के चलते कंपनी को पुनर्गठन पर लगभग 1.8 अरब डॉलर (करीब 15,000 करोड़ रुपए) का महत्वपूर्ण खर्च उठाना पड़ा।

ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार, ओपनएआई जैसे ग्राहकों के लिए महंगे एआई डेटा सेंटर विकसित करने से आरेकल पर वित्तीय दबाव बढ़ा है।

रेड टेप को कैरी बैग चार्ज पड़ा भारी, उपभोक्ता आयोग ने ठोका 8,000 का जुर्माना

50,000 का मुआवजा और 22,000 रुपए मुकदमेबाजी खर्च की मांग भी की गई

रोहतक ।

हरियाणा के रोहतक स्थित उपभोक्ता आयोग ने जूते के प्रसिद्ध ब्रांड रेड टेप को एक कैरी बैग के लिए 10 रुपए वसूलने पर बड़ा झटका दिया है। आयोग ने इसे अनुचित व्यापार प्रथा मानते हुए कंपनी को ग्राहक से ली गई राशि वापस करने के साथ-साथ 8,000 रुपए का मुआवजा और मुकदमेबाजी लागत चुकाने का निर्देश दिया है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब कई कंपनियां मनमाने ढंग से अतिरिक्त शुल्क वसूलती हैं, और यह ग्राहकों के लिए एक महत्वपूर्ण जीत है। मामला 1 अप्रैल, 2023 का है, जब एक ग्राहक ने रेड टेप के रोहतक आउटलेट से 2,069.70 रुपए में जूते खरीदे थे। बिल के साथ स्टोर ने कैरी बैग के लिए 10 रुपए अतिरिक्त वसूले। ग्राहक ने इस शुल्क का विरोध करते हुए बिना शुल्क के बैग उपलब्ध कराने का अनुरोध किया, लेकिन कर्मचारियों ने कंपनी की नीति का हवाला देते हुए इनकार कर दिया। इसके बाद ग्राहक ने इसे कानूनी रूप से गलत मानते हुए उपभोक्ता आयोग का दरवाजा खटखटाया, जिसमें 10 रुपए की वापसी के साथ-साथ 50,000 का मुआवजा और 22,000 रुपए मुकदमेबाजी खर्च की मांग की गई। रेड टेप ने अपने बचाव में तर्क दिया कि यह शुल्क पर्यावरण को बढ़ावा देने और मुफ्त बैग के दुरुपयोग को कम करने के लिए लिया गया था। कंपनी ने यह भी कहा कि स्टोर के प्रवेश द्वार पर ग्राहकों को अपने बैग लाने के लिए सूचित करने वाले साइनबोर्ड लगे थे, कैरी बैग खरीदना वैकल्पिक था और उस पर कोई ब्रांड लोगो नहीं था। हालांकि, उपभोक्ता आयोग की पीठ, जिसमें अध्यक्ष नागेंद्र सिंह कादियन और सदस्य तृप्ति पन्नू व विजेंद्र सिंह शामिल थे, ने कंपनी के बचाव को पूरी तरह से खारिज कर दिया। आयोग ने बिल और कैरी बैग की जांच की, जिसमें 10 रुपए का शुल्क अलग से दिखाया गया था। सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि कंपनी के अपने हलफनामे में स्वीकार किया गया था कि उसने अनावश्यक रूप से एक कैरी बैग के लिए 10 रुपये वसूले हैं। आयोग ने इस बयान को ही कंपनी के बचाव को कमजोर करने वाला पाया और इसे सेवा में कमी तथा अनुचित व्यापार प्रथा करार दिया। आयोग ने रेड टेप को ग्राहक से लिए गए 10 रुपए वापस करने, मुआवजे के तौर पर 4,000 रुपए और मुकदमेबाजी

खर्चों के लिए 4,000 रुपए का भुगतान करने का निर्देश दिया। कुल मिलाकर, कंपनी को 8,010 रुपए का भुगतान करना होगा। आदेश का पालन करने के लिए 30 दिन का समय दिया गया है, अन्यथा कंपनी को हर सप्ताह 50 रुपए का अतिरिक्त जुर्माना देना होगा जब तक कि पूरी राशि का भुगतान नहीं हो जाता। यह निर्णय उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक होने और मनमानी वसूली के खिलाफ आवाज उठाने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

एयर इंडिया में प्रदीप सिंह खरोला की वापसी

पूर्व सीएमडी को चेयरमैन का एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर नियुक्त किया गया

नई दिल्ली।

एयर इंडिया के पूर्व चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर (सीएमडी) प्रदीप सिंह खरोला की एक बार फिर एयरलाइन में वापसी हुई है। एयरलाइन सूत्रों के अनुसार, उन्हें चेयरमैन का एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर नियुक्त किया गया है। कंपनी के शीर्ष प्रबंधन में संभावित बदलावों के बीच इस नियुक्ति को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।प्रदीप सिंह खरोला वर्ष 2017 से 2019 तक एयर इंडिया के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर के पद पर रहे थे। उनके कार्यकाल के दौरान एयरलाइन कई परिचालन और वित्तीय चुनौतियों से गुजर रही थी। बाद में उन्हें नागरिक उड्डयन सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई, जहां उन्होंने विमानन क्षेत्र से जुड़े कई महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णयों में भूमिका निभाई। एयर इंडिया के निजीकरण की प्रक्रिया में भी खरोला की अहम भूमिका रही थी। नागरिक उड्डयन मंत्रालय में रहते हुए उन्होंने एयरलाइन के विनिवेश और पुनर्गठन से जुड़े कई प्रशासनिक एवं नीतिगत कार्यों का नेतृत्व किया था। कंपनी में उनकी वापसी ऐसे समय हुई है, जब एयर इंडिया के शीर्ष प्रबंधन में बदलाव की चर्चा तेज है। एयर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) कैंपबेल विल्सन ने पहले ही आने वाले महीनों में पद छोड़ने की घोषणा कर दी है। ऐसे में खरोला

की नियुक्ति को संगठनात्मक स्थिरता और प्रबंधन के अनुभव को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सरकारी तेल कंपनियों के मुनाफे में सुधार की उम्मीद

कच्चे तेल की घटती कीमतों से ईंधन विपणन मार्जिन बेहतर होने का अनुमान

नई दिल्ली ।

सरकारी पेट्रोलियम विपणन कंपनियों (ओएमसी) के लिए मुनाफे में सुधार की उम्मीद जगी है। जेपी मॉर्गन की एक रिपोर्ट के अनुसार, कच्चे तेल की घटती कीमतों से ईंधन विपणन मार्जिन में सुधार इसका मुख्य कारण है। हालांकि, बढ़ते कर्ज और ईंधन कर को लेकर अनिश्चितता इस क्षेत्र की लंबी अवधि की कमाई की संभावनाओं को सीमित कर सकती है। जेपी मॉर्गन की रिपोर्ट बताती है कि सरकारी रिफाइनरियों और खुदरा ईंधन विक्रेताओं के पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर संयुक्त मार्जिन अब पश्चिम एशिया संघर्ष से पहले के स्तर से ऊपर है। यह कच्चे तेल की कम कीमतों और केंद्रीय उत्पाद शुल्क में कटौती का परिणाम है। संघर्ष के दौरान वैश्विक कीमतों में उछाल के बावजूद घरेलू कीमतें स्थिर रहने से कंपनियों को घाटा हुआ था, लेकिन अब स्थिति सुधर रही है। एलपीजी पर अभी भी नुकसान अधिक है, लेकिन तेल कीमतों के साथ इसमें भी कमी आने की संभावना है। रिपोर्ट के अनुसार चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में माल भंडार के नुकसान का असर दिखेगा, लेकिन दूसरी तिमाही में लाभ बेहतर होने की उम्मीद है।

ईंधन खुदरा विक्रेताओं को मार्जिन में राहत पर कर अनिश्चितता बनी चुनौती

मुंबई ।

एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय ईंधन विपणन कंपनियों (ओएमसी) के मार्जिन में सुधार हुआ है, जिससे उन्हें कुछ राहत मिली है। हालांकि, रिपोर्ट ने बढ़ते कर्ज के बोझ और ईंधन पर कर नीति को लेकर अनिश्चितता के कारण इस क्षेत्र की दीर्घकालिक कमाई की संभावनाओं को सीमित बताया है। रिपोर्ट बताती है कि कच्चे तेल की कीमतों में कमी और केंद्र सरकार द्वारा उत्पाद शुल्क में कटौती के चलते सरकारी तेल विपणन कंपनियों के पेट्रोल और डीजल बिक्री पर संयुक्त मार्जिन अब पश्चिम एशिया संघर्ष-पूर्व स्तर से ऊपर पहुँच गया है।

संघर्ष के दौरान वैश्विक तेल कीमतों में उछाल के बावजूद देश में खुदरा कीमतें काफी हद तक स्थिर रहीं।

एलपीजी पर होने वाला नुकसान भी तेल कीमतों में गिरावट के साथ जल्द ही कम होने की उम्मीद है।

जिससे कंपनियों की वित्तीय स्थिति में और सुधार होगा। हालांकि, रिपोर्ट ने मार्जिन में इस सुधार को लेकर सतर्कता बरती है। पिछले कुछ महीनों में ओएमसी पर काफी कर्ज चढ़ा है।

जिससे उनके मूल्यांकन पर असर पड़ा है। इसके अतिरिक्त, लाभ का एक बड़ा हिस्सा सरकार द्वारा मार्च में की गई 10 रुपये प्रति लीटर की उत्पाद शुल्क कटौती के कारण है।

जो वैश्विक तेल कीमतें स्थिर होने पर भविष्य में फिर से लगाया जा सकता है।

सरकार ने खुदरा कीमतों में बढ़ोतरी को रोकने के लिए यह कटौती की थी।

यदि कच्चे तेल की कीमतें कम रहती हैं, तो भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन को निकट भविष्य में सबसे अधिक लाभ होने की उम्मीद है।

तरलता संकट से जूझते बैंकों को आरबीआई का सहारा

जीएसटी और अग्रिम कर भुगतान से गहराया नकदी दबाव, केंद्रीय बैंक ने डाले 1.41 लाख करोड़

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकिंग प्रणाली में नकदी की कमी से निपटने के लिए मंगलवार को सात-दिवसीय परिवर्तनीय दर रेपो (वीआरआर) नीलामी के जरिए 1,41,171 करोड़ रुपए का निवेश किया। यह हस्तक्षेप ऐसे समय हुआ है जब प्रणाली में नकदी अधिशेष से घटकर घाटे में चली गई। आरबीआई की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह धनराशि 5.26 प्रतिशत की कट-ऑफ और भारित औसत पर डाली गई। विशेषज्ञों के मुताबिक, माल एवं सेवा कर (जीएसटी) और अग्रिम कर भुगतान के कारण धन की निकासी से बैंकिंग प्रणाली 21 जून को 30,685.11 करोड़ रुपए के अधिशेष से 22 जून को 19,971.89 करोड़ रुपए के घाटे में आ गई। इस नकदी संकट ने ओवरनाइट मनी मार्केट दरों पर दबाव बढ़ा दिया है, जहां भारित औसत कॉल मनी दर 5.43 प्रतिशत पर रही, जो आरबीआई की रेपो दर से 0.18 प्रतिशत अधिक है। इसी तरह, ट्राइ-पार्टी रेपो (टीआरईपीएस) दरें भी नीतिगत ब्याज दर से अधिक पर

कारोबार कर रही थीं। नकदी दबाव को कम करने और ओवरनाइट मनी मार्केट दरों को नियंत्रित रखने के लिए, केंद्रीय बैंक पिछले कुछ दिनों से सक्रिय है। आरबीआई ने विभिन्न अवधियों की वीआरआर नीलामियों के माध्यम से कुल लगभग 2.43 लाख करोड़ रुपए की अस्थायी नकदी बैंकिंग प्रणाली में डाली है। यह आरबीआई का एक माध्यम है जिसके जरिये वह बैंकिंग प्रणाली में नकदी की अस्थायी कमी या अधिकता को संतुलित करता है।

जरुरत पड़ने पर ऐसे बढ़ाएं पर्सनल लोन की लिमिट, टॉप-अप विकल्प हो सकता है मददगार

मौजूदा पर्सनल लोन पर बिना नई अर्जी के पाएं अतिरिक्त फंड्स

मुंबई।

पर्सनल लोन वित्तीय जरूरतों को पूरा करने का एक लोकप्रिय साधन है। कई बार बड़े खर्चों या आपातकालीन स्थितियों के लिए ली गई शुरुआती लोन राशि कम पड़ जाती है। ऐसे में, यदि आपको और पैसों की जरूरत पड़ती है, तो पर्सनल लोन टॉप-अप सुविधा आपके लिए बेहद उपयोगी साबित हो सकती है। यह आपको बिना नया लोन आवेदन किए, अपने मौजूदा लोन पर अतिरिक्त फंड्स प्राप्त करने का अवसर देती है। पर्सनल लोन टॉप-अप सुविधा उन लोगों के लिए एक सुविधाजनक समाधान है, जिन्हें अपने मौजूदा पर्सनल लोन के ऊपर अतिरिक्त पैसों की आवश्यकता होती है। यह आपको ओरिजिनल लोन से ज्यादा फंड्स देती है और इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसके लिए किसी नई एप्लिकेशन की जरूरत नहीं होती। टॉप-अप लोन भी स्टैंडर्ड पर्सनल लोन की तरह ही काम करता है, जहां बॉरोअर पैसे को किसी भी काम के लिए इस्तेमाल कर सकता है और इसके लिए कोई कोलैटरल (गिरवी) देने या खर्च पर कोई लिमिट तय करने की जरूरत नहीं होती। जब आप टॉप-अप लेते हैं, तो मौजूदा और टॉप-अप लोन अमाउंट को मिलाकर आपकी ईएमआई को रिवाइज्ड लोन अमाउंट और टर्म के हिसाब से दोबारा कैलकुलेट किया जाता है। हालांकि, इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए कुछ शर्तों का पालन करना पड़ता है। बैंक या वित्तीय संस्थान टॉप-अप राशि स्वीकृत करने से पहले आपकी पात्रता (इनकम, मौजूदा डेट्स, क्रेडिट स्कोर और लोन रीपेमेंट हिस्ट्री) की दोबारा जांच करेंगे। इसके लिए आपको अपने वित्तीय संस्थान से संपर्क करना होगा और लोन अमाउंट बढ़ाने के लिए एक रिक्वेस्ट लेटर जमा करना होगा। इसके साथ आवश्यक दस्तावेज और प्रोसेसिंग फीस भी देनी पड़ सकती है। अप्रूवल के बाद, कुछ मामलों में आपको मौजूदा लोन को बंद करके एक नया एग्रीमेंट साइन करना पड़ सकता है, जिसमें बदली हुई राशि, ईएमआई और ब्याज दर का उल्लेख होगा। टॉप-अप लोन की कोई तय सीमा नहीं होती; यह बॉरोअर के रीपेमेंट हिस्ट्री और प्रोफाइल पर निर्भर करता है। यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि टॉप-अप पर्सनल लोन का टेन्योर ओरिजिनल लोन के बचे हुए टेन्योर से ज्यादा नहीं हो सकता। यदि आप लंबा लोन टेन्योर चाहते है।

स्पेसएक्स शेयर रिकॉर्ड निचले स्तर पर

कंपनी 20 अरब डॉलर के बॉन्ड जारी कर एआई का करेगी विस्तार

नई दिल्ली ।

एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के शेयरों में लगातार तीसरे कारोबारी दिन भारी गिरावट दर्ज की गई। सोमवार को शेयर 16 फीसदी टूटकर .154.60 पर बंद हुए, जो लिस्टिंग के बाद का सबसे निचला स्तर है। इस गिरावट के साथ, कंपनी का बाजार मूल्य तीन दिनों में 600 अरब डॉलर से अधिक घट गया है। यह गिरावट मुख्य रूप से कंपनी की एक नई फंडिंग योजना के कारण मानी जा रही है, जिसके तहत स्पेसएक्स अपनी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से जुड़ी महत्वाकांक्षी योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए 20 अरब डॉलर तक के निवेश-योग्य बॉन्ड जारी करने की तैयारी में है। स्पेसएक्स ने हाल के महीनों में एआई कारोबार पर तेजी से ध्यान केंद्रित किया है, जिसमें फरवरी में एलन मस्क की एक्सएआई का अधिग्रहण और सोमवार को एआई स्टार्टअप रिफ्लेक्शन एआई के साथ कंप्यूटिंग संसाधन समझौते की घोषणा शामिल है। हालांकि, अपने 135 रुपए के आईपीओ मूल्य से शेयर अभी भी लगभग 15 फीसदी ऊपर है। शुरुआती लिस्टिंग में खुदरा निवेशकों की भारी दिलचस्पी दिखी थी। कीबैंक कैपिटल मार्केट्स ने होल्ड के समान रेटिंग दी है, मानते हुए कि कंपनी अंतरिक्ष में अग्रणी है, पर लंबी अवधि की संभावनाएँ पहले से मूल्य में शामिल हैं। हालांकि, इसका बाजार पूंजीकरण अभी भी 2 ट्रिलियन डॉलर से अधिक है, जो इसे शीर्ष छह सबसे मूल्यवान कंपनियों में रखता है। निवेशकों की निगाहें अब कंपनी के एआई निवेश से मिलने वाले रिटर्न पर टिकी हैं।

सम्पादकीय

अब लखनऊ में अग्निकांड, क्या सिस्टम कभी सुधर भी पाएगा

करीब 20 दिन पहले की बात है, जब राजधानी नई दिल्ली में मालवीय नगर स्थित एक होटल में हुए अग्निकांड में 21 लोगों की मौत हो गई थी। संभव है, अब ज्यादातर लोगों की याददाश्त से वह हादसा मिट चुका है। लेकिन उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज में एक तीन मंजिला बिल्डिंग में आग से 15 लोगों की मौत ने एक बार पुनः उस भीषण हादसे की याद दिला दी। लोग वैसे ही जान बचाने को ऊपर की मंजिलों से आग की लपटों के बीच नीचे कूद रहे थे। दिल्ली के होटल की तरह एक ही एग्जिट और एंट्रेंस, वैसे ही बेसमेंट, दर्जनों एसी और उनकी तारें। फायर ब्रिगेड के देरी से पहुंचने की शिकायतें। सरकार के मंत्रियों का मौके पर पहुंचना। माता-पिता और अभिभावकों का रुदन। पोस्टमार्टम और जांच के लिए कमेटी का गठन। मुआवजे की घोषणा और शोक संदेश की बाढ़। जैसे अब ऐसे हादसे नियमित मामले हो गए हैं। एक हादसे के बाद सरकार की ओर से तमाम दावे किए जाते हैं, मीडिया और जहां-तहां कमियों, खामियों को गिनाने में रात-दिन निकलने लगते हैं। बड़ी-बड़ी चर्चाएं होती हैं, सरकार संज्ञान लेती है। मंत्रियों और उनसे ऊपर बैठे ओहदेदारों के बयान आते हैं। निर्देश जारी होते हैं, अधिकारी सस्पेंड होते हैं। बिल्डिंग का ओनर गिरफ्तार होता है। कड़ी कार्रवाई के दावे किए जाते हैं और फिर एक दिन सब भूल जाते हैं, शायद एक नए हादसे के इंतजार में। दिल्ली के होटल में 3 जून को अग्निकांड हुआ था और अब 22 जून को लखनऊ के रिहायशी इलाके में इस कमर्शियल इमारत के अंदर आगजनी हो गई। यानी एक ही माह के अंदर उत्तर भारत में दो भीषण अग्निकांड।

> **लखनऊ में जिस इमारत में यह अग्निकांड हुआ, उसमें भी नियमों का उल्लंघन सामने आ रहा है। बताया गया है कि यह इमारत रिहायशी इस्तेमाल के लिए थी लेकिन इसे प्रयोग किया जा रहा था कमर्शियल प्रयोग के लिए। यहां पर एनिमेशन ट्रेनिंग सेंटर बनाया हुआ था और जिस समय अग्निकांड हुआ, तब यहां 30 छात्र थे। इस हादसे के बाद राज्य सरकार ने अधिकारियों पर कार्रवाई की जो जल्दी दिखाई है, अगर समय रहते उन्हीं अधिकारियों ने इसकी जांच कर ली होती कि यह इमारत तय नियमों के अनुसार संचालित है या नहीं तो संभव है, यह 15 जिंदगियां आज सांस ले रही होतीं। लेकिन वह सिस्टम चाहे राजधानी दिल्ली का हो या फिर लखनऊ का, न एसी कमरों से बाहर आना चाहता है और न ही एसी गाड़ियों से पैर नीचे रखना चाहता है।**

लखनऊ में जिस इमारत में यह अग्निकांड हुआ, उसमें भी नियमों का उल्लंघन सामने आ रहा है। बताया गया है कि यह इमारत रिहायशी इस्तेमाल के लिए थी लेकिन इसे प्रयोग किया जा रहा था कमर्शियल प्रयोग के लिए। यहां पर एनिमेशन ट्रेनिंग सेंटर बनाया हुआ था और जिस समय अग्निकांड हुआ, तब यहां 30 छात्र थे। इस हादसे के बाद राज्य सरकार ने अधिकारियों पर कार्रवाई की जो जल्दी दिखाई है, अगर समय रहते उन्हीं अधिकारियों ने इसकी जांच कर ली होती कि यह इमारत तय नियमों के अनुसार संचालित है या नहीं तो संभव है, यह 15 जिंदगियां आज सांस ले रही होतीं। लेकिन वह सिस्टम चाहे राजधानी दिल्ली का हो या फिर लखनऊ का, न एसी कमरों से बाहर आना चाहता है और न ही एसी गाड़ियों से पैर नीचे रखना चाहता है। पूरे देश में सरकारी सिस्टम इसी तरह से काम करता है और सबसे दुखद यह है कि जिसकी जो जिम्मेदारी होती है, वह उसे पूरा करने से कतराता है। राजनीतिकों की मजबूरी है कि उन्हें पांच साल बाद फिर जनता के सम्मुख जाना है, वोट के लिए। इसलिए जब भी ऐसे कांड होते हैं तो वे वहां पहुंचते हैं और सधे हुए ऐसे बयान देते हैं, जैसे इस हादसे के बाद अब कहीं कोई और हादसा नहीं होगा। इस कोताही के बाद अब कहीं कोई और कोताही नहीं होगी। बेशक, वे भी जानते होते हैं कि अगर पब्लिक के सामने अभी रोना पड़े तो रो लो। जनता के सामने शोक के सागर में डूबने का नाटक करना पड़े तो कर लो। चाहे जितने भी अधिकारियों को सस्पेंड करना हो, कर लो। कुछ दिन की बात है। जनता सब भूल जाएगी। कौन पूछता फिरेगा कि जिस अधिकारी को सस्पेंड किया था, वह फिर से उसी कुर्सी पर काबिज क्यों हो चुका है। क्योंकि सरकारी सिस्टम है, जो इसी प्रकार चलता है। घूम कर फिर सब वहीं पहुंच जाता है।

दिल्ली के होटल में भी जमकर कोताही बरती जा रही थी। इसे सरकार की ब्रेड एंड ब्रेकफास्ट स्कीम के तहत चलाया जा रहा था, इस स्कीम के तहत अग्निशमन, एमसीडी या पुलिस की मंजूरी की आवश्यकता नहीं होती। दिल्ली में इस समय ऐसे 1 हजार से ज्यादा बीएनबी संचालित किए जा रहे हैं। जाहिर है, नियमों में ढील का फायदा कारोबारी इस तरह से उठाते हैं, लेकिन उनकी भूल निर्दोषों पर भारी पड़ती है। लखनऊ में भी यही हुआ है, यहां इमारत का नक्शा आवासीय था लेकिन उसे बना दिया गया था व्यवसायिक। निश्चित रूप से अग्निकांड कहीं भी हो सकता है। यह भी संभव है कि जिस इमारत में सभी नियम पूरे किए जा रहे हों, वहां पर भी हादसा हो सकता है। लेकिन सबसे बड़ी बात यह है कि आखिर ऐसे हादसों के बाद सरकार की ओर से तुरंत बचाव की प्रभावी प्रणाली क्यों नहीं अमल में लाई जाती। फायर ब्रिगेड बाद में पहुंचती है, तब आग भड़क चुकी होती है और उसमें फंसे लोग जान बचाने को छलांग लगाने को मजबूर होते हैं। इस हादसे के पीड़ित भी फोन पर अपने परिजनों से बचाने की गुहार लगाते रहे लेकिन उस समय फायर ब्रिगेड न जाने कहां थी। जाहिर है, राज्य सरकारों को यह सुनिश्चित किए जाने की जरूरत है कि अग्निकांड होने की स्थिति में कम से कम जनहानि हो, इसे यकीनी बनाया जाए। वहीं नियमों का उल्लंघन कर बनाई गई ऐसी इमारतों पर बुलडोजर चलाया जाए।

यूएई की ब्रह्मोस में दिलचस्पी से बदलेगा खाड़ी का सामरिक समीकरण, भारत बनेगा नया रणनीतिक केंद्र

पश्चिम एशिया की बदलती शक्ति राजनीति के बीच भारत के लिए एक जबरदस्त रणनीतिक अवसर उभरता दिखाई दे रहा है। संयुक्त अरब अमीरात अब भारत से ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल और आकाशतीर वायु रक्षा प्रणाली खरीदने पर गंभीर बातचीत कर रहा है। यह खाड़ी क्षेत्र की बदलती सामरिक दिशा का खुला संकेत है। देखा जाये तो यह वही क्षेत्र है जहां पाकिस्तान दशकों तक इस्लामी सैन्य एकजुटता के नाम पर अपना प्रभाव जमाने की कोशिश करता रहा, लेकिन अब हालात तेजी से बदल रहे हैं।

भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच चल रही यह बातचीत उस समय सामने आई है जब सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच रक्षा सहयोग लगातार मजबूत हुआ है। दोनों देशों के बीच ऐसे समझौते हुए हैं जिनमें सुरक्षा सहयोग और सैन्य प्रतिक्रिया का पहलू भी शामिल है। ऐसे में सऊदी अरब के पड़ोसी संयुक्त अरब अमीरात का भारत की सबसे घातक और चर्चित मिसाइल प्रणाली में रुचि दिखाना केवल व्यापारिक फैसला नहीं माना जा सकता। इसके पीछे पश्चिम एशिया की गहरी शक्ति प्रतिस्पर्धा और पाकिस्तान को लेकर बदलती सोच साफ दिखाई देती है।

हम आपको बता दें कि ब्रह्मोस दुनिया की सबसे तेज परिचालन सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल मानी जाती है। इसे जमीन, समुद्र और हवा तीनों माध्यमों से दागा जा सकता है। भारत और रूस ने मिलकर इसे विकसित किया है। फिलीपींस, वियतनाम और इंडोनेशिया के बाद यदि संयुक्त अरब अमीरात इसे खरीदता है तो यह भारत के रक्षा निर्यात इतिहास की सबसे बड़ी उपलब्धियों में शामिल होगा। इससे भारत केवल हथियार बेचने वाला देश नहीं बल्कि वैश्विक सामरिक संतुलन बनाने वाला शक्ति केंद्र बनकर उभरेगा।

आकाशतीर प्रणाली की चर्चा भी बेहद महत्वपूर्ण है। यह भारत की स्वदेशी स्वचालित वायु रक्षा नियंत्रण प्रणाली है, जिसे भारतीय सेना और भारत इलेक्ट्रोनिक्स लिमिटेड ने विकसित किया है। हाल के संघर्षों में ड्रोन और मिसाइल हमलों ने जिस तरह युद्ध की तस्वीर बदल दी है, उसके बाद खाड़ी देश अपनी वायु सुरक्षा को लेकर बेहद सतर्क हो गए हैं। ईरान, इजराइल और क्षेत्रीय संघर्षों के कारण पूरा पश्चिम एशिया अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है। ऐसे माहौल में संयुक्त अरब अमीरात ऐसी रक्षा प्रणाली चाहता है जो तेज, सटीक और बहुस्तरीय सुरक्षा दे सके।

सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि संयुक्त अरब अमीरात अब केवल अमेरिका या पश्चिमी देशों पर निर्भर नहीं रहना चाहता। वह अपने रक्षा आपूर्तिकर्ताओं का दायरा बढ़ा रहा है ताकि किसी एक शक्ति के दबाव में न आना पड़े। भारत उसके लिए आदर्श विकल्प बनकर उभरा है क्योंकि भारत तकनीकी रूप से सक्षम है, तेजी से उभरती सैन्य शक्ति है और पश्चिम के साथ भी उसके अच्छे संबंध हैं।

यहीं पर पाकिस्तान की बेचैनी शुरू होती है। दशकों तक पाकिस्तान खाड़ी देशों के लिए सैन्य सहयोगी बना रहा। पाकिस्तानी सेना ने सऊदी अरब और खाड़ी देशों में प्रशिक्षण से लेकर सुरक्षा तक में भूमिका निभाई। लेकिन अब वही खाड़ी देश भारत की सैन्य तकनीक पर भरोसा दिखा रहे हैं। यह पाकिस्तान की रणनीतिक हार है।

देखा जाये तो संयुक्त अरब अमीरात के पाकिस्तान से दूर जाने के पीछे केवल सामरिक कारण नहीं हैं, बल्कि भरोसे का संकट भी है। पिछले कुछ वर्षों में पाकिस्तान की आर्थिक बदहाली, कट्टरपंथी संगठनों को लेकर उसकी खराब छवि, आतंकवाद को लगातार समर्थन और राजनीतिक अस्थिरता ने खाड़ी देशों का विश्वास कमजोर किया है। संयुक्त अरब अमीरात को यह समझ आ गया है कि पाकिस्तान भरोसेमंद साझेदार नहीं रह गया, जबकि भारत एक स्थिर, मजबूत और तेजी से उभरती वैश्विक शक्ति बन चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नहयान के बीच बनी व्यक्तिगत केमिस्ट्री ने दोनों देशों के रिश्तों को नई ऊंचाई पर पहुंचाया है। मोदी के कार्यकाल में भारत और संयुक्त अरब अमीरात के संबंध केवल व्यापार तक सीमित नहीं रहे, बल्कि रक्षा, ऊर्जा, निवेश, आतंकवाद विरोधी सहयोग और समुद्री सुरक्षा तक फैल गए। यही वजह है कि आज अबू धाबी को भारत केवल हथियार बेचने वाला देश नहीं, बल्कि ऐसा रणनीतिक साथी नजर आ रहा है जो संकट की घड़ी में मजबूती से साथ खड़ा रह सकता है।

इसके अलावा, विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब के रिश्तों में हाल के वर्षों में तनाव बढ़ा है। तेल उत्पादन, यमन नीति, क्षेत्रीय नेतृत्व और आर्थिक प्रतिस्पर्धा जैसे कई मुद्दों पर दोनों देशों के बीच मतभेद सामने आए हैं। ऐसे में यदि सऊदी अरब पाकिस्तान के साथ गहरे रक्षा संबंध बना रहा है तो संयुक्त अरब अमीरात का भारत की ओर झुकाव एक संतुलनकारी रणनीति के रूप में देखा जा सकता है।

यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि अब खाड़ी की राजनीति दो अलग ध्रुवों की तरफ बढ़ रही है। एक तरफ सऊदी अरब और पाकिस्तान का पारंपरिक सामरिक समीकरण है, तो दूसरी तरफ संयुक्त अरब अमीरात भारत के साथ नई रणनीतिक धुरी बनाता दिख रहा है। भारत के लिए यह स्थिति बेहद लाभकारी है क्योंकि इससे उसे पश्चिम एशिया में अभूतपूर्व सामरिक पहुंच मिल सकती है।

भारत के लिए एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि पिछले वर्ष पाकिस्तान के साथ संघर्ष के दौरान ब्रह्मोस के प्रभावी उपयोग ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा। इसके बाद कई देशों ने इस मिसाइल में रुचि दिखाई। थाईलैंड, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील और चिली जैसे देश भी इसे खरीदने की इच्छा जता चुके हैं। यानी भारत अब केवल हथियार आयात करने वाला देश नहीं रहा, बल्कि वैश्विक रक्षा बाजार का निर्णायक खिलाड़ी बन चुका है।

सरकारी आंकड़े बताते हैं कि मार्च 2026 में समाप्त वित्तीय वर्ष में भारत का रक्षा निर्यात चार अरब डॉलर के पार पहुंच गया, जबकि 2013-14 में यह केवल 7.26 करोड़ डॉलर था। यह उछाल बताता है कि भारत की रक्षा तकनीक अब विश्व स्तर पर भरोसेमंद मानी जा रही है।

बहरहाल, यदि संयुक्त अरब अमीरात के साथ यह समझौता अंतिम रूप लेता है तो इसके कई दूरगामी परिणाम होंगे। एक तो इससे भारत की सामरिक साख अभूतपूर्व स्तर पर पहुंचेगी। साथ ही पाकिस्तान को यह स्पष्ट संदेश जाएगा कि खाड़ी में उसका एकाधिकार खत्म हो चुका है।

इसके अलावा, पश्चिम एशिया में भारत की सैन्य और कूटनीतिक मौजूदगी और मजबूत होगी।

अर्थ प्रकाश में 34 साल पहले आज का दिन

नौकरी दिलाने का झांसा देकर 5500 रुपए लेकर फरार

चंडीगढ़ स्थानीय सेक्टर 7 में एक कार चालक द्वारा धोखाधड़ी करके 5500 रुपए लेकर भाग जाने का समाचार है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सैनी मोहल्ला बनूड के निवासी शान चंद के घर गत दिवस एक व्यक्ति एम्बेसडर कार से आया तथा कहने लगा कि वह उसकी (ज्ञान चंद की) बेटी के ससुराल लुधियाना से आया है। व्यक्ति कार सवार ने आते ही ज्ञान चंद जी कहा कि 5500 रुपए तैयार करो। तुम्हारे बेटे जीवन कुमार को चंडीगढ़ में नौकरी दिलानी है। ज्ञान चन्द ने तुर्त-फुर्त में 5500 रुपए लिए तथा अपने बेटे व एक पड़ोसी गुरपाल सिंह को उसी कार में बिठाकर चंडीगढ़ ले आया। चंडीगढ़ पुलिस में दायर रिपोर्ट में ज्ञान चंद ने बताया कि उस कार चालक ने उसे तथा गुरपाल को सेक्टर 7 में मकान नंबर 45 के निकट उतार दिया तथा उसके बेटे जीवन कुमार को लेकर यह कहकर कहीं चला गया कि मैं पैसे जमा करवाने है ज्ञान चंद ने आगे बताया कि कार चालक ने सेक्टर 7 के शोरूमों के नजदीक जीवन कुमार से पैसे लेकर कहा कि तुम रुको मैं अभी आया। इतना कहकर वह वहां से फरार हो गया।

नहर निर्माण-एक सवालिया निशान

सतलुज यमुना संपर्क नहर का कार्य पंजाब तथा हरियाणा राज्यों के बीच खींचातानी के कारण पिछले कई सालों से मुकम्मल नहीं हो पाया है। नहर के कार्य बारे दोनों राज्यों के नेता समय-समय पर तरह-तरह के बयान देते रहते है, जिस कारण यह मसला सुलझने की जवाब और अधिक जटिल हो जाता है। गत दिवस पंजाब के मुख्यमंत्री बेअंत सिंह ने एक और बात कह डाली कि जिस प्रकार हरियाणा रावी नदी के पानी का हिस्सा मांगता है उसी तरह यमुना नवी जल में पंजाब का हिस्सा बनता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि हरियाणा यमुना नदी से पंजाब के हिस्से का दे दे तो पंजाब भी हरियाणा की रावी नदी से जल उपलब्ध करा देगा। श्री बेअंत सिंह ने यह भी कहा कि अगर हरियाणा रावी नदी से अपने हिस्से की मांग छोड़ देगा तो पंजाब भी यमुना से अपने हिस्से का पानी नहीं मांगेगा। श्री बेअंत सिंह की इन शर्तों के पीछे भले ही राजनीतिक कारण रहे हो, लेकिन इसके बावजूद दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों को चाहिए कि वे अपने राजनैतिक हितों को प्राथमिकता न दें बल्कि सामाजिक आवश्यकताओं तथा जनता के हितों का भी ध्यान रखें।

ज्ञान सागर : देखें आज के दिन क्या घटा

1314- बैनॉकबर्न की लड़ाई-रॉबर्ट द ब्रूस ने एडवर्ड द्वितीय को हराकर स्कॉटलैंड को हराया।
1340 - एक सौ साल का युद्ध- एडवर्ड III ने फ्रांसीसी नौसेना को नष्ट कर दिया।
1441 - ईटन कॉलेज की स्थापना।
1497 - जॉन कैबट न्यूफ़ाउंडलैंड पहुंचे।
1564 - महारानी दुर्गावती मुगलों से जंग के दौरान शहीद हुई।
1571 - मनीला की स्थापना मिगुएल लोपेज़ डी लेगाज़पी ने की।
1664 - न्यू जर्सी कॉलोनी की स्थापना हुई।
1692 - किंग्स्टन शहर की स्थापना हुई।
1793 - फ्रांस ने अपना पहला गणतंत्रात्मक संविधान अपनाया।
1812 - नेपोलियन बोनापार्ट ने रूस पर आक्रमण किया।
1821 - काराबोबो की लड़ाई।
1913 -ग्रीस और सर्बिया ने बुल्गारिया के साथ संधि को तोड़ा।
1916 - द्वितीय विश्व युद्ध- सोम की लड़ाई।
1922 - वेमर गणराज्य के विदेश मंत्री वाल्टर रथेनाउ की हत्या कर दी गई। हत्यारों को 17 जुलाई को गिरफतार कर लिया गया।
1940 - द्वितीय विश्व युद्ध- फ्रांस और इटली में अवसर।
1948 - सोवियत संघ ने बर्लिन के साथ मैत्रीपूर्ण जमीनी संपर्क खो दिया।
1961 - भारत के पहले स्वदेशी एचएफ 24 सुपरसोनिक लड़ाकू विमान ने उड़ान भरी।
1986 - भारत सरकार ने अविवाहित महिलाओं के लिए भी मातृत्व लाभ को स्वीकृति दी।
1996 - माइकल जॉनसन ने 19.66 सेकंड में 200 मीटर दौड़कर विश्व रिकॉर्ड बनाया
2002 - इगांडू, तंजानिया के पास ट्रेन दुर्घटना। 281 मारे गए।
2004 - न्यूयॉर्क राज्य में मौत की सजा को असंवैधानिक घोषित किया गया।
2004 - जॉन नेग्रोपोटे ईराक में अमेरिका के पहले राजदूत बने।
2005 - अमेरिका ने भारत की सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता की दावेदारी का समर्थन करने की घोषणा की।
2006 - फ़िलिपीन्स ने अपने यहाँ मृत्युदंड को समाप्त कर दिया।
2008 - नेपाल के प्रधानमंत्री गिरिजा प्रसाद कोइराला ने अपने पद से इस्तीफ़ा दिया।
2012 - मिस्र में पहली बार हुए राष्ट्रपति चुनाव में मुस्लिम ब्रदरहुड के मुहम्मद मुर्सी निर्वाचित हुए।
2016 - ब्रिटेन में यूरोपीय संघ से संबंध के प्रश्न पर हुए 23जून के जनमत-संग्रह में आधे से ज्यादा लोगों ने अलगाव के पक्ष में मत दिया।

बोल ब्यूटीफुल

मिलिंद खांडेकर: ब्रिटेन में राजनीतिक उठापटक का आलम यह है कि पिछले 10 वर्षों में छह प्रधानमंत्री बन चुके है। प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया। दो साल पहले उनकी लेबर पार्टी भारी बहुमत से चुनाव जीती थी। सरकार की लोकप्रियता लगातार कम हो रही थी, जिसके चलते उनके खिलाफ बगावत हुई।

दिलीप मंडल: ब्रिटेन में सत्ताधारी पार्टी को जब ये लगता है कि उसका प्रधानमंत्री अलोकप्रिय हो रहा है और अगला चुनाव नहीं जितवा पाएगा तो पार्टी उसे हटा देती है। जबकि भारत की वंशावादी पार्टियों में पार्टी को बार-बार हराने वाला भी नेता बना रहता है। इस बीमारी से मुक्त होने के कारण ही भाजपा में गतिशीलता बनी रहती है। सीएम से लेकर पीएम पर लोकप्रिय बने रहने और जीतने का दबाव बना रहता है।

अशोक श्रीवास्तव: अपने सांसदों की बगावत से परेशान उद्धव ठाकरे ने कहा है कि उनसे गलती हुई कि उन्होंने गद्दारों को टिकट दिया, जो बाहरी थे, उन्हें टिकट दिया। जब वे गद्दार थे, बाहरी थे तो सवाल यही है कि उन्होंने ऐसे लोगों को आखिर क्यों टिकट दिया?

हर शहर में सुलगती लापरवाही : क्या अगला लखनऊ आपका होगा?

दैनिक अर्थ प्रकाश

जब कागजों की मंजूरियां और बंद लिफाफे सच को ढकने लगते हैं, तब आग केवल इमारतों तक सीमित नहीं रहती, वह व्यवस्था की आत्मा को भी झुलसा देती है। लखनऊ के अलीगंज की घटना किसी एक दिन की दुर्घटना नहीं, बल्कि उस लंबी लापरवाही का विस्फोट थी जिसमें सुरक्षा को हमेशा बाद में टाल दिया गया। इसी पृष्ठभूमि में एक तीखा सवाल उभरता है–जो अब फुसफुसाहट नहीं, बल्कि कठोर सामाजिक आरोप बन चुका है। यह सिर्फ एक घटना का वर्णन नहीं, बल्कि उस ढांचे का दर्पण है जहाँ शिक्षा धीरे-धीरे जोखिम और लाभ के बीच झूलता हुआ बाजार बन गई है।

22 जून 2026 की दोपहर ने लखनऊ के अलीगंज की एक साधारण सी इमारत को मौत के मंजर में बदल दिया। नीचे पेट शॉप और क्लिनिक की रोजमर्रा की हलचल थी, जबकि ऊपर कोचिंग सेंटर में भविष्य संवारने के सपने बुने जा रहे थे। लेकिन कुछ ही पलों में वह इमारत धुएं और आग के भयानक जाल में कैद हो गई। छात्र जान बचाने के लिए भागे, खिड़कियों तक पहुंचे, कुछ ने मजबूरी में छलांग लगाई, पर अधिकांश घने धुएं की दीवार में फंस गए। चीखें धीरे-धीरे खामोशी में घुल गईं। कम से कम 15 युवा जीवन, जो अभी सपनों को पूरी तरह समझ भी नहीं पाए थे, ÷लखनऊ आग में 15 जवान सपनों की राख÷ बनकर हमेशा के लिए मिट गए।

यह हादसा किसी अचानक तकनीकी खराबी का नतीजा भर नहीं था, बल्कि उस व्यवस्था की उपज था जिसने वर्षों तक चेतावनियों को अनसुना किया। जिस भवन में कोचिंग संचालित हो रही थी, उसे 2016 में अवैध निर्माण पर एलडीए द्वारा ध्वस्तीकरण का नोटिस जारी हुआ था, जिसे दो महीने बाद वापस ले लिया गया था। फायर एनओसी मौजूद नहीं था, और आपातकालीन निकास या तो बंद पड़े थे या केवल औपचारिकता बनकर रह गए थे। खिड़कियों पर लगी लोहे की जालियां/ग्रिल्स बाहर निकलने में बाधक बनीं। प्रारंभिक रिपोर्ट्स के अनुसार एसी में संभावित शॉर्ट सर्किट सिर्फ एक चिंगारी थी, असली आग तो उस लापरवाही में थी जो वर्षों से सुलग रही थी। नीचे व्यापार की रफ्तार जारी थी और ऊपर जीवन दम तोड़ रहा था।

जैसे-जैसे हादसे की परतें खुलती गईं, वही पुराना और असहज करने वाला सवाल फिर सामने खड़ा हो गया–आखिर यह सब हुआ कैसे? अनुमति किसने दी, निरीक्षण किसने किया, और किसने जानबूझकर नजरें फेर लीं? यह केवल प्रशासनिक लापरवाही भर नहीं दिखती, बल्कि एक ऐसे तंत्र की ओर इशारा करती है जहाँ नियमों की कीमत तय होती है और सुरक्षा सिर्फ कागज़ों तक सीमित रह जाती है। यह पैटर्न नया नहीं है। कोटा की आत्महत्याएं, दिल्ली के राजेंद्र नगर की बेसमेंट बाढ़ और अब लखनऊ की यह अग्निकांड–हर जगह कहानी एक ही जैसी दिखती है- भीड़ बढ़ाओ, मुनाफा कमाओ और सुरक्षा को बाद के लिए छोड़ दो।

आज के दौर में छात्र केवल सीखने वाला नहीं रह गया, बल्कि एक चलती-फिरती आर्थिक इकाई में बदल चुका है। माता-पिता कर्ज के बोझ तले फीस चुकाते हैं, अपनी उम्मीदें गिरवी रखकर बच्चों का भविष्य 'खरीदने' की कोशिश करते हैं। कोचिंग उद्योग इस मानसिक दबाव को बखूबी समझता है, इसलिए उसकी संरचना भी उसी अनुरूप गढ़ी जाती है–ऊंची दीवारें, नियंत्रित प्रवेश और अक्सर बंद पड़े आपात निकास। यही वह व्यवस्था है जिसने शिक्षा को धीरे-धीरे ऐसे तंत्र में बदल दिया है, जहाँ जीवन से अधिक महत्व उपस्थिति और फीस को मिलने लगता है।

हादसे के बाद प्रशासनिक प्रतिक्रिया भी उसी पुराने, परिचित ढर्रे पर आगे बढ़ी। जांच के आदेश जारी हुए, शोक संदेश दिए गए, मुआवजे की घोषणाएं हुई, कुछ गिरफ्तारियां और निलंबन भी हुए–जैसा हर बार होता आया है। मुख्यमंत्री स्तर से कार्रवाई के निर्देश आए, प्रधानमंत्री ने संवेदना व्यक्त की, लेकिन यह संवेदना भी कुछ ही समय में औपचारिकता बनकर रह गई। असली प्रश्न फिर भी अनुत्तरित रहे–क्या यह अंतिम हादसा होगा, या अगली त्रासदी की नींव पहले से ही रखी जा रही है? क्योंकि हर दुर्घटना के बाद यही चक्र दोहराया जाता है और समय के साथ समाज उसे भुला देने की आदत डाल लेता है।

अब प्रश्न व्यवस्था की कार्यप्रणाली नहीं, उसकी नींव की ईमानदारी पर है। कोचिंग सेंटरों को 'शिक्षा का मंदिर' नहीं, बल्कि स्पष्ट रूप से व्यावसायिक इकाई मानकर सख्त नियंत्रण में लाना होगा। हर भवन का फायर ऑडिट और संरचनात्मक सुरक्षा प्रमाणपत्र अनिवार्य होना चाहिए। बेसमेंट में कक्षाओं पर पूर्ण प्रतिबंध लगे। खिड़कियों पर लगी ग्रिलें रोकने का माध्यम बनने पर दंडनीय अपराध हों, और किसी भी मौत की स्थिति में प्रबंधन पर सीधे आपराधिक हत्या का मुकदमा चले। साथ ही एक स्वतंत्र 'नेशनल कोचिंग सेफ्टी अथॉरिटी' बनाई जाए, जो राजनीतिक दबाव से मुक्त हो।

सुधार की सीमा केवल कोचिंग संस्थानों तक नहीं हो सकती। समस्या उस व्यापक शिक्षा ढांचे में छिपी है, जो छात्रों पर एकतरफा दबाव डालकर सफलता का सीमित रास्ता दिखाता है। जब सफलता का एकमात्र मानक प्रतियोगी परीक्षाएँ बन जाती हैं, तो कोचिंग उद्योग स्वतः ही अनियंत्रित बाजार में बदल जाता है। इसलिए स्कूल-कॉलेज स्तर पर सुधार, परीक्षा प्रणाली का संतुलन और मानसिक दबाव में कमी केवल शैक्षणिक सुधार नहीं, बल्कि जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले जरूरी कदम हैं।

अगर अब भी यह चेतावनी अनसुनी रही, तो हर शहर किसी न किसी दिन लखनऊ की ही पुनरावृत्ति बन जाएगा। हर इमारत किसी अंधेरी रात में 'लखनऊ आग में 15 जवान सपनों की राख' जैसी दर्दनाक कहानी दर्ज करती रहेगी। हम तब भी सिर्फ खबरें पढ़ेंगे, जांचें देखेंगे और अगले हादसे के आने का इंतजार करते रहेंगे। लेकिन उस समय शायद सवाल पूछने वाला कोई नहीं बचेगा–क्योंकि तब तक सपने, उम्मीदें और जीवन, सब कुछ पहले ही राख में बदल चुका होगा, और व्यवस्था केवल पछतावे के पन्ने पलटती रह जाएगी।

एसआईटी ने की अग्निकांड स्थल की पड़ताल, घायलों से भी मिला जांच दल

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर तेज गति से जारी है जांच
- घायलों से मिली जानकारी व साक्ष्य के आधार पर कई लोगों से होगी पूछताछ- अमृत अभिजात
- एफएसएल की टीम ने मौके से जुटाए महत्वपूर्ण साक्ष्य, निर्धारित समय में आएगी जांच रिपोर्ट- प्रवीण कुमार

अर्थ प्रकाश संवाददाता

लखनऊ, 23 जून। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सख्त निर्देश पर अलीगंज अग्निकांड की समग्र जांच तेज गति से जारी है। मंगलवार को दो सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) घटनास्थल पर पहुंचा। टीम ने इसके बाद केजीएमयू में भर्ती घायलों से भी मुलाकात की और उनसे घटना के संबंध में जानकारी ली। उत्तर प्रदेश विधि विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की टीम ने भी घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए हैं।

एसआईटी के सदस्य अपर मुख्य सचिव (पर्यटन एवं संस्कृति विभाग) अमृत अभिजात और एडीजी (लखनऊ जोन) प्रवीण कुमार सुबह घटनास्थल पर पहुंचे। यहां उन्होंने करीब एक घंटे से अधिक समय तक बारीकी से पूरी बिल्डिंग का निरीक्षण किया। अमृत अभिजात ने कहा कि घटनास्थल की विभिन्न प्रकार से फोटो ली गई हैं। साक्ष्य जुटाकर जांच को तेजी से अंजाम दिया जा रहा है। अग्निकांड से संबंधित व्यक्तियों व विभागों से भी पूछताछ होगी। उसके बाद जांच रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया जाएगा।

एडीजी प्रवीण कुमार ने बताया कि हम लोगों ने घटनास्थल का सूक्ष्म निरीक्षण किया है। साथ में फॉरेंसिक की टीम ने सभी महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए हैं, जिनके आधार पर कुछ लोगों से पूछताछ की जाएगी। घटना से संबंधित हर विभाग के दायित्व को जांच दायरे में शामिल किया गया है। अग्निकांड पीड़ितों से भी जानकारी ली जाएगी। इसके बाद निर्धारित समय सीमा में जांच रिपोर्ट शासन को सौंपी जाएगी। घटनास्थल से निकलने के बाद एसआईटी ने केजीएमयू में भर्ती घायलों से भी मुलाकात की।

एफएसएल ने जुटाए घटनास्थल से नमूने

घटनास्थल पर एफएसएल डायरेक्टर आदर्श कुमार और विशेषज्ञों की टीम ने महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए हैं। इसमें मलबा, जले हुए उपकरण और तार समेत अन्य नमूने शामिल हैं। गौरतलब है कि हादसे की सूचना मिलते ही सीएम योगी ने अलीगढ़ दौरा बीच में रद्द कर घटनास्थल का मुआयना किया था। उन्होंने केजीएमयू में पीड़ितों से भी मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए एसआईटी गठित करने का निर्देश दिया। एसआईटी को 7 दिन में अपनी जांच रिपोर्ट सौंपनी है। अब तक मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। वहीं चार अधिकारियों को निलंबित किया जा चुका है।

दिल्ली- बाल्मीकि बस्ती में भीषण आग, चपेट में आई कई झुग्गियां

अर्थ प्रकाश संवाददाता /अनिल कुमार गुप्ता दिल्ली/ जून 23, नई दिल्ली। दिल्ली के मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज के पीछे स्थित बाल्मीकि बस्ती, तकिया काले खां इलाके की कुछ झुग्गियों में सोमवार देर रात भीषण आग लग गई। आग लगने की सूचना आधी रात के आसपास फायर कंट्रोल रूम को दी गई, जिसके बाद दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। गनीमत यह रही कि दमकल विभाग की मुस्तैदी और त्वरित कार्रवाई के चलते आग पर समय रहते काबू पा लिया गया. फायर कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अधिकारियों के मुताबिक, प्रभावित क्षेत्र में बड़ी मात्रा में लकड़ी का सामान और अस्थायी ढांचे मौजूद थे, जिसके कारण आग तेजी से फैल गई।

रेखा गुप्ता ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी को अर्पित की पुष्पांजलि

अर्थ प्रकाश/ अनिल कुमार गुप्ता दिल्ली / जून 23, नई दिल्ली। भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस के मौके पर देश भर में जगह जगह कार्यक्रम हो रहे हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के बलिदान दिवस पर आज दिल्ली गेट स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी पार्क में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली गेट स्थित शहीदी पार्क में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी को पुष्पांजलि अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। दिल्ली बीजेपी की तरफ से आयोजित इस कार्यक्रम में प्रदेश संगठन महामंत्री पवन राणा,अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा सहित प्रदेश इकाई के तमाम लोग शामिल हुए। इस मौके पर सीएम रेखा गुप्ता ने पार्क में वृक्षारोपण भी किया। गौरतलब है कि राष्ट्र की एकता,अखंडता और स्वाभिमान के लिए उनका संघर्ष और बलिदान हमेशा प्रेरणास्रोत है। इस मौके पर सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि श्यामा प्रसाद वो पहले व्यक्ति थे जिन्होंने राष्ट्र प्रथम की नींव रखी है।

न्यूज ब्रीफ

ट्रेडर्स कमीशन द्वारा उठाई गई सभी समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन प्रतिबद्ध : अनुप्रिता जौहल

-व्यापारियों की समस्याओं के समाधान हेतु एडीसी ने ट्रेडर्स कमीशन के साथ बैठक की

-पंजाब ट्रेड कमीशन व्यापारियों को दरपेश समस्याओं का लगातार समाधान कर रहा है : वाइस चेयरमैन गुरप्रीत सिंह धमोली

अर्थ प्रकाश/पटियाला, 23 जून (मोहन शर्मा)/ पटियाला जिले के व्यापारियों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान तथा ट्रेडर्स कमीशन द्वारा उठाए गए मुद्दों की समीक्षा के लिए अतिरिक्त उपायुक्त (ज) अनुप्रिता जौहल ने पंजाब ट्रेड कमीशन पटियाला के चेयरमैन एडवोकेट विनोद कुमार सिंगला, पंजाब के वाइस चेयरमैन गुरप्रीत सिंह धमोली तथा अन्य सदस्यों के साथ बैठक की। एडीसी अनुप्रिता जौहल ने बताया कि बैठक के दौरान पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का गंभीरता से निपटारा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 55 शिकायतों का समाधान किया जा चुका है, जबकि 30 शिकायतें अभी लंबित हैं और उन पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन, डिप्टी कमिश्नर डॉ. हिमांशु अग्रवाल के नेतृत्व में, इन मुद्दों के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर चेयरमैन एडवोकेट विनोद सिंगला ने कहा कि जल्द ही राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान पटियाला जिले के व्यापारियों से मिलने पहुंचेंगे। वाइस चेयरमैन गुरप्रीत सिंह धमोली ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार व्यापारियों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और कमीशन व्यापारियों के साथ खड़ा होकर उनकी समस्याओं का लगातार समाधान कर रहा है। चेयरमैन ने आगे कहा कि व्यापारियों द्वारा उठाई जाने वाली प्रत्येक समस्या को गंभीरता से लिया जाएगा और संबंधित विभागों के सहयोग से उनका शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने व्यापारिक समुदाय से अपील की कि वे अपनी समस्याओं के समाधान के लिए सीधे ट्रेडर्स कमीशन से संपर्क करें, ताकि उनकी मांगों का समय पर निपटारा किया जा सके। इस दौरान ट्रेडर्स कमीशन के सदस्य संजीव गुप्ता, भूपिंदर कौशल, सदस्य ट्रेड कमीशन घनौर कीरत सिंह सिहरा, गुरप्रीत सिंह मन्नण, टिंकू बंसल, राजेश छाबड़ा, एसडीएम, सहायक कमिश्नर हरजोत कौर तथा नगर निगम और अन्य विभागों के अधिकारी भी उपस्थित थे।

जगराओं और सिधवां बेट पुलिस की बड़ी कार्रवाई- दो अलग-अलग मामलों में हेरोइन सहित दो नशा तस्कर गिरफ्तार

अर्थ प्रकाश/जगराओं 23 जून नशे के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम के तहत लुधियाना ग्रामीण पुलिस ने दो अलग-अलग थानों के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए दो नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के कब्जे से कुल कर उनके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

मामला 1- सिधवां बेट क्षेत्र में गुप्त सूचना के आधार पर 10 ग्राम हेरोइन बरामद

पहली सफलता सिधवां बेट पुलिस को मिली। मिली जानकारी के अनुसार, चौकी गिद्दरविंडी के इंचार्ज एएसआई (ASI) राजवरिंदरपाल सिंह 448 अपनी पुलिस पार्टी और साथी कर्मचारियों के साथ बस अड्डा गिद्दरविंडी पर संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की चेकिंग के संबंध में मौजूद थे।

इसी दौरान एक मुखबिर ने एएसआई के पास आकर बेहद गोपनीय तरीके से सूचना दी कि गुरजंट सिंह उर्फ गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी (पुत्र जोगिंदर सिंह), निवासी शेरेवाल (थाना सिधवां बेट, जिला लुधियाना), बड़े स्तर पर हेरोइन बेचने का अवैध धंधा करता है।

कार्रवाई व बरामदगी- मुखबिर की सूचना को पुख्ता और विश्वसनीय मानते हुए पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की और आरोपी गुरजंट सिंह उर्फ गोपी को काबू कर लिया। तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से 10 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मामला 2- जगराओं के सेम नाला मलक के पास 7.2 ग्राम हेरोइन सहित तस्कर काबू

दूसरी कार्रवाई जगरों क्षेत्र में अमल में लाई गई, जहां पुलिस ने एक तस्कर को रंगे हाथों दबोचा। एएसआई (ASI) धर्मेंद्र सिंह 706 अपने साथी पुलिस कर्मचारियों के साथ गश्त और चेकिंग के संबंध में गांव मलक के सेम नाला (सेम ड्रेन) की सीमा में मौजूद थे।

इस दौरान पुलिस पार्टी ने एक संदिग्ध व्यक्ति को रोककर उसकी तलाशी ली। पकड़े गए आरोपी की पहचान धर्मपाल सिंह (पुत्र महिंदर सिंह), निवासी रामपुरा मोहल्ला, नजदीक शेरपुर लंडा फाटक (जगरों) के रूप में हुई है।

कार्रवाई व बरामदगी- मौके पर मुस्तैदी दिखाते हुए पुलिस टीम ने आरोपी धर्मपाल सिंह को काबू किया। जब उसकी जामा-तलाशी ली गई, तो उसके पास मौजूद एक प्लास्टिक की लिफाफी में से 7.2 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने नशीले पदार्थ और लिफाफी को कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस का बयान- पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पकड़े गए दोनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि वे यह हेरोइन कहां से खरीद कर लाए थे और इलाके में किन-किन लोगों को सप्लाई करने जा रहे थे। नशा तस्करों के खिलाफ यह अभियान आगे भी इसी तरह जारी रहेगा।

कर्णप्रयाग में निहंगों के साथ मारपीट के मामले में रेजिडेंट कमिश्नर के मार्फ़त सीएम को ज्ञापन

अर्थ प्रकाश संवाददाता/अनिल कुमार गुप्ता दिल्ली

दिल्लीः गुरुद्वारा श्री हेमकुंट साहिब से लौट रहे निहंग सिंहों के साथ कर्णप्रयाग में हुई मारपीट और उसके बाद पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई के खिलाफ सिख पंथ में भारी रोष व्याप्त है। इस मामले को लेकर शिरोमणि अकाली दल (दिल्ली इकाई) के अध्यक्ष परमजीत सिंह सरना ने आज बड़ी संख्या में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ उत्तराखंड के रेजिडेंट कमिश्नर अजय मिश्रा से मुलाकात कर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नाम एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि कर्णप्रयाग घटना के दौरान निहंग सिंहों ने अपनी आत्मरक्षा के लिए शस्त्रों का उपयोग किया था, लेकिन पुलिस ने पहले मामला आपसी सहमति से सुलझाने का भरोसा देने के बावजूद उन पर गंभीर धाराएं लगाकर अत्याचार किया और उन्हें जेल भेज दिया।

सरना ने पत्र में कहा कि सिख श्रद्धालुओं के साथ कथित पुलिस ज्यादतियों, सार्वजनिक अपमान और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले व्यवहार की रिपोर्ट सामने आई हैं, जिनकी तत्काल और निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने यह भी जोर दिया कि कृपाण सिख धर्म का पवित्र अंग है और उसे संविधान द्वारा संरक्षण प्राप्त है। अकाली दल (दिल्ली इकाई) ने उत्तराखंड सरकार के समक्ष पांच प्रमुख मांगें रखी हैं, जिनमें दोषी पुलिस कर्मियों की उच्च स्तरीय जांच, सिख श्रद्धालुओं के साथ भेदभाव रोकना, धार्मिक प्रतीकों के संबंध में पुलिस को निर्देश जारी करना तथा हेमकुंट साहिब यात्रियों के लिए विशेष शिकायत निवारण प्रणाली स्थापित करना शामिल है।

मुलाकात के दौरान रेजिडेंट कमिश्नर अजय मिश्रा ने प्रतिनिधिमंडल की बात ध्यानपूर्वक सुनते हुए आश्वासन दिया कि यह मामला मुख्यमंत्री और डीजीपी के संज्ञान में लाया जाएगा तथा दोषियों के खिलाफ कार्रवाई कर निहंग सिंहों को न्याय दिलाने के प्रयास किए जाएंगे। इस अवसर पर सरदार मंजीत सिंह जीके, सरदार परमजीत सिंह राणा, सरदार करतार सिंह विक्की चावला, पार्टी प्रवक्ता सरदार परमजीत सिंह वीरजी, सरदार परमजीत सिंह खुराना, सरदार तजिंदर सिंह गोपा सहित बड़ी स संख्या में पार्टी सदस्य और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अवैध निर्माण के खिलाफ सख्त एक्शन ले रहे एमसीडी अधिकारियों को धमका रहे भाजपा पार्षद

अर्थ प्रकाश संवाददाता/अनिल कुमार गुप्ता दिल्ली

दिल्लीः शाहदरा साउथ जोन के भवन निर्माण विभाग में तैनात जूनियर इंजीनियर (जेई) रोहित नागपाल के साथ भाजपा पार्षद मीनाक्षी शर्मा द्वारा कथित अभद्र व्यवहार और दबाव बनाने की घटना को एमसीडी के नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने बेहद गंभीर बताया है। उन्होंने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यदि अवैध निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई करने वाले अधिकारियों को राजनीतिक दबाव, धमकियों और हस्तक्षेप का सामना करना पड़ेगा, तो दिल्ली में कानून का राज कैसे स्थापित होगा? भाजपा एक तरफ अवैध निर्माणों पर कार्रवाई के बड़े-बड़े दावे करती है, वहीं दूसरी तरफ उसके जनप्रतिनिधियों पर कार्रवाई कर रहे अधिकारियों को डराने और दबाव बनाने के आरोप लग रहे हैं। यह बेहद चिंताजनक स्थिति है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में अवैध निर्माणों के कारण लगातार हादसे हो रहे हैं। कई लोगों की जान जा चुकी है और अनेक परिवार प्रभावित हुए हैं। ऐसे समय में आवश्यकता है कि अधिकारियों को निष्पक्ष और स्वतंत्र रूप से काम करने दिया जाए, न कि उन्हें राजनीतिक दबाव में लाने का प्रयास किया जाए। भाजपा शासित एमसीडी में भ्रष्टाचार और अवैध निर्माणों को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। यदि कोई अधिकारी नियमों के अनुसार कार्रवाई करता है और उसे ही प्रताड़ित किया जाता है, तो यह संदेश जाता है कि भाजपा अवैध निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई नहीं बल्कि उन्हें संरक्षण देना चाहती है।

नेता प्रतिपक्ष ने निगम आयुक्त से मांग की है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और यदि किसी जनप्रतिनिधि द्वारा अपने पद का दुरुपयोग कर अधिकारी पर दबाव बनाने का प्रयास किया गया है तो उसके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए। साथ ही एमसीडी प्रशासन यह सुनिश्चित करे कि सभी अधिकारी बिना किसी राजनीतिक हस्तक्षेप के कानून और नियमों के अनुसार अपना कार्य कर सकें। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी दिल्ली में पारदर्शी, जवाबदेह और भ्रष्टाचार मुक्त

प्रशासन के लिए संघर्ष जारी रखेगी तथा अवैध निर्माणों को संरक्षण देने वाली किसी भी राजनीति का विरोध करती रहेगी

'पंजाब में बनेगी भाजपा सरकार, कार्यकर्ता बूथ स्तर पर ताकत झोंकें': हलवारा एयरपोर्ट पर भाजपा हाईकमान का निर्देश

अर्थ प्रकाश संवाददाता

जगराओं 22 जून 'पंजाब का तूफानी दौरा पूरा करने के बाद भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व और केंद्रीय मंत्रियों का काफिला हलवारा एयरपोर्ट पहुंचा। इस मौके पर पार्टी हाईकमान ने लुधियाना और जगराओं के जिला अध्यक्ष डॉ. राजिंदर शर्मा समेत तमाम वरिष्ठ नेताओं को बूथ स्तर तक पार्टी को मजबूत करने के कड़े निर्देश दिए।

इस विशेष बैठक के दौरान राष्ट्रीय महासचिव व राज्यसभा सदस्य तरुण चुघ, केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू और पंजाब भाजपा के वरिष्ठ नेता केवल सिंह ढिल्लों समेत पार्टी हाईकमान के कई दिग्गज नेता मौजूद रहे।

जिला अध्यक्ष की थपथपाई पीठ

बैठक के दौरान केंद्रीय नेतृत्व ने जिला जगराओं के काम करने के तरीके और सांगठनिक ढांचे की विस्तृत जानकारी ली। जगराओं में पार्टी की सक्रियता को देखते हुए हाईकमान ने जिला अध्यक्ष डॉ. राजिंदर शर्मा की पीठ थपथपाई। नेतृत्व ने पुरजोर शब्दों में कहा, 'आने वाला समय पंजाब में भाजपा का है और यह तय है कि राज्य में अगली सरकार भाजपा की ही बनेगी। अब बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं में नया जोश भरने की जिम्मेदारी आपकी है, इसलिए आज से ही पूरी लगन के साथ मैदान में जुट जाएं।'

हर कार्यकर्ता को मिलेगा पूरा सम्मानः डॉ. राजिंदर शर्मा

केंद्रीय नेतृत्व को भरोसा दिलाते हुए जिला अध्यक्ष डॉ. राजिंदर शर्मा ने कहा कि वे अपनी पूरी टीम के साथ पूरी लगन और दृढ़ संकल्प से काम करेंगे।

उन्होंने विश्वास दिलाया कि ज़िले के हर छोटे-बड़े कार्यकर्ता को पूरा मान-सम्मान दिया जाएगा और पार्टी को जमीनी स्तर पर अभेद्य बनाया जाएगा।

इस दौरान वरिष्ठ नेता केवल सिंह ढिल्लों ने जगराओं दौरे के दौरान मिले अभूतपूर्व जनसमर्थन का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जिस तरह कार्यकर्ताओं के विशाल काफिले ने पार्टी का स्वागत किया है, उससे साफ है कि पंजाब की जनता अब भाजपा की ओर देख रही है।

इस रणनीतिक बैठक में जिला महासचिव सुमित अरोड़ा, लखविंदर सिंह सपरा, जगतार बांगर, बाल किशन गर्ग और मनोज गोयल समेत कई प्रमुख पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

माता श्री काली देवी मंदिर का निर्माण जल्द पूरा होगा चैयरमेन हरपाल जुनेजा

अर्थ प्रकाश/ पटियाला, 23 जून (मोहन शर्मा) आम आदमी पार्टी के नेशनल कन्वीनर श्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की कोशिशों से माता श्री काली देवी मंदिर का निर्माण तेज़ी से चल रहा है। इस बारे में पी आर टी सी के चेयरमैन हरपाल जुनेजा ने स.ध.व्र.स. सभा के अध्यक्ष श्री बाल कृष्ण सिंगला के साथ दौरा किया। इस मौके पर चेयरमैन हरपाल जुनेजा ने कहा कि माता श्री काली देवी मंदिर का कंस्ट्रक्शन का काम बहुत तेज़ी से और मॉडर्न तरीके से चल रहा है और इसे जल्द ही भक्तों को सौंप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि भक्त बड़ी आस्था के साथ माता के दर्शन करने आते हैं। इस मौके पर सभा के अध्यक्ष बाल कृष्ण सिंगला ने कहा कि मंदिर के कंस्ट्रक्शन के लिए पंजाब के मुख्यमंत्री की कोशिशों को भक्त पूरी दुनिया में याद रखेंगे। इससे पहले दूसरी सरकारों ने सिर्फ वादे किए थे लेकिन मान सरकार ने जो कहा वो किया, जिसके लिए पूरा समाज उनका शुक्रगुजार है। इस मौके पर सभा के पदाधिकारी संजय सिंगला, देवी दास गोयल, राजीव गोयल, कुलदीप गर्ग, विजय गोयल, उर्मिला पुरी, नीना गुप्ता, पवन गोयल और राजेश सिंगला भी मौजूद थे।

अंतर्राष्ट्रीय नशा मुक्ति एवं अवैध मादक पदार्थ तस्करी विरोधी दिवस के उपलक्ष्य में जागरूकता शिविर आयोजित

अर्थ प्रकाश/ भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी, हरियाणा राज्य शाखा के उपाध्यक्ष अंकुश मिगलानी, महासचिव डॉ. सुनील कुमार के निर्देशानुसार तथा आयुष सिन्हा उपायुक्त एवं अध्यक्ष जिला रेडक्रॉस सोसाइटी फरीदाबाद के मार्गदर्शन में एवं सचिव बिजेंद्र सोरोत के नेतृत्व में 26 जून को प्रतिवर्ष मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय नशा मुक्ति एवं अवैध मादक पदार्थ तस्करी विरोधी दिवस के अवसर पर 23 जून से 30 जून 2026 तक आयोजित किए जा रहे जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत आज राजकीय कन्या आईटीआई, ऊँचा गांव में एक विशेष नशा मुक्ति जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह दिवस समाज को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने तथा नशामुक्त जीवन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मनाया जाता है। कार्यक्रम में राजकीय कन्या आईटीआई की प्रधानाचार्य श्री श्याम जी, बी.के. अस्पताल से श्रीमती अनुक्रम भाटी, श्रीमती ममता एवं श्रीमती सुमंत्रा ने विद्यार्थियों एवं उपस्थित जनसमूह को नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर जिला रेड क्रॉस सोसायटी फरीदाबाद के नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र के परियोजना निदेशक श्री धर्मेंद्र कसाना ने नशे के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक दुष्प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि परिवार एवं समाज के विकास में भी बाधा उत्पन्न करता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे नशे से दूर रहकर अपने जीवन को सकारात्मक दिशा दें तथा समाज में नशा मुक्ति का संदेश फैलाएं। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित प्रतिभागियों ने नशामुक्त समाज के निर्माण हेतु संकल्प लिया तथा नशे के विरुद्ध जन-जागरूकता अभियान को आगे बढ़ाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

हिंदुस्तान जिंक ने हाइड्रोजन फ्यूल समाधान के लिए एडवांटेक और एरो ईगल के साथ किया एमओयू

- भारत की खनन क्षेत्र में हाइड्रोजन फ्यूल पर काम शुरू करने वाली पहली कंपनी
- ग्रीन हाइड्रोजन पर स्टडी, पायलट प्रोजेक्ट और चरणबद्ध लागू करने पर फोकस
- भूमिगत खनन, भारी मशीनरी और अन्य उपकरणों में हाइड्रोजन उपयोग की जांच

अर्थ प्रकाश संवाददाता

उदयपुर, 22 जून 2026। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने एडवांटेक एसोसिएट्स एलएलपी और एरो ईगल ऑटोमोबाइल्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ एमओयू किया है। इस समझौते के तहत कंपनी अपने ऑपरेशन्स में ग्रीन हाइड्रोजन और अन्य क्लीन एनर्जी के उपयोग की संभावनाएं तलाशेगी।

इस पहल का उद्देश्य नई तकनीकों का मूल्यांकन करना है, जिससे खनन कार्य को कम कार्बन और भविष्य के लिए तैयार बनाया जा सके। हिंदुस्तान जिंक खास तौर पर भूमिगत खनन में हाइड्रोजन फ्यूल इस्तेमाल करने वाली भारत की पहली कंपनी बनने की दिशा में काम कर रही है। यह कदम कंपनी के 2050 या उससे पहले नेट जीरो बनने के लक्ष्य का हिस्सा है। खनन और भारी उद्योगों में उत्सर्जन कम करना मुश्किल होता है, ऐसे में हाइड्रोजन जैसे स्वच्छ ईंधन महत्वपूर्ण समाधान बनकर सामने आ रहे हैं।

हिंदुस्तान ज़िंक के सीईओ अरुण मिश्रा ने कहा कि, 'हम सस्टेनेबल माइनिंग के लिए नई तकनीकों पर काम कर रहे हैं। हाइड्रोजन से भारी मशीनों के उत्सर्जन कम होंगे और क्लीन एनर्जी का रास्ता खुलेगा। यह साझेदारी हमें भविष्य के लिए तैयार बनाएगी।'

इस साझेदारी के तहत ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन, स्टोरेज, सप्लाई सिस्टम और हाइड्रोजन से चलने वाली मशीनों की जांच की जाएगी। साथ ही एच2 एण्ड आईस और फ्यूल सेल तकनीक के इस्तेमाल की भी संभावना देखी जाएगी। यह प्रोजेक्ट चरणों में पूरा होगा। पहले तकनीकी, सुरक्षा, पर्यावरण और लागत से जुड़ी स्टडी होगी। उसके बाद इसे बड़े स्तर पर लागू किया जा सकता है,

जिसमें भारी मशीनरी, वाहन, जेनरेटर और अन्य उपकरण शामिल होंगे।

यह पहल हिंदुस्तान जिंक की ईएसजी रणनीति के अनुरूप है, जिसमें साफ ऊर्जा और जिम्मेदार संसाधन प्रबंधन पर जोर दिया जाता है। कंपनी पहले ही अपनी ऊर्जा जरूरतों में करीब 18 प्रतिशत हिस्सा नवीकरणीय स्रोतों से पूरा कर रही है और लगातार स्वच्छ तकनीकों की दिशा में आगे बढ़ रही है। हिंदुस्तान जिंक, वेदांता समूह की कंपनी है, जिसे लगातार तीसरे साल एसएण्डपी ग्लोबल असेसमेंट 2025 में दुनिया की सबसे सस्टेनेबल मेटल और माइनिंग कंपनी का दर्जा मिला है।

भारतीय क्रिकेट टीम आयरलैंड और इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल टूर के लिए रवाना, सूर्यवंशी के डेब्यू पर रहेगी नजर

चेन्नई (एजेंसी)। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली भारतीय टीम 26 जून से शुरू होने वाली व्हाइट-बॉल सीरीज के लिए चेन्नई इंटरनेशनल एयरपोर्ट से आयरलैंड और इंग्लैंड के लिए रवाना हो गई है। 'मेन इन ब्लू' को आयरलैंड के खिलाफ दो टी20आई और उसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी20आई और तीन ODI खेलने हैं, जो 26 जून से शुरू होंगे।

इस साल की शुरुआत में टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद आयरलैंड में होने वाले टी20आई मैच भारत के लिए पहली सीरीज होगी। भारत 26 और 28 जून को डबलिन में दो टी20आई खेलेगा। टी20आई टीम की कमान श्रेयस के हाथों में होने से भारत के लिए सबसे छोटे फॉर्मेट में एक नए अध्याय की शुरुआत हो

रही है, खासकर इसलिए क्योंकि 2028 में लॉस एंजिल्स ओलंपिक और ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में अगला मेन्स टी20 वर्ल्ड कप होने वाला है।

इस टूरिंग टीम की सबसे खास बात युवा बैटिंग सेंसेशन वैभव सूर्यवंशी हैं, जो 15 साल और 71 दिन की उम्र में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के लिए चुने जाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने और उन्होंने सचिन तेंदुलकर का 36 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। इस सीजन में इंडियन प्रीमियर लीग में शानदार प्रदर्शन के बाद अनकैप्ड तेज गेंदबाज प्रिंस यादव को भी पहली बार सीनियर ञ्20 टीम में बुलाया गया है।

शुरुआत में सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को टीम में चुना गया था, लेकिन बाद में उनकी जगह प्रसिद्ध कृष्णा को शामिल किया गया। मार्च में मेनिस्कस टियर सर्जरी के बाद रिहैब से गुजर रहे सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर हर्षित राणा भी टीम में वापस आ गए हैं, साथ ही लेग-स्पिनर रवि बिश्नोई भी।

आयरलैंड टूर के बाद यही टीम दक्षिण-पश्चिम की ओर एक छोटा टूर करेगी और 1 से 11 जुलाई के बीच इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20आई सीरीज खेलेगी, जिसके बाद 14 से 19 जुलाई तक तीन वनडे खेले जाएंगे। वनडे टीम की कप्तानी शुभमन गिल करेंगे, जबकि श्रेयस उनके डिप्टी होंगे। तीन मैचों की वनडे सीरीज में स्टार बल्लेबाज विराट कोहली की वापसी होगी, जो IPL 2026 के दौरान लगी हैमस्ट्रिंग चोट के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ हाल ही में हुई वनडे सीरीज में नहीं खेल पाए थे। हालांकि BCCI ने कहा है कि उनका खेलना फिटनेस क्लीयरेंस पर निर्भर करेगा।

चिरंत विश्वनाथ जापान के मोटेगी में रेस जीतने वाले पहले भारतीय बने

मुम्बई (एजेंसी)। भारत के युवा रेसर चिरंत विश्वनाथ ने जापान के मोटेगी रेसट्रैक में जीत के साथ ही एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। इसी के साथ ही वह इस ट्रैक पर जीत हासिल करने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। यह उपलब्धि उन्होंने एफआईएम एशिया रोड रेसिंग चैंपियनशिप के तीसरे दौर के दौरान टीवीएस एशिया वन-मेक चैंपियनशिप कैटेगरी में दर्ज की है।

चिरंत ने टीवीएस अपाचे आरआर 310 से रेस-1 में शानदार प्रदर्शन कर सफलता हासिल की है। आधिकारिक अभ्यास सत्र में सबसे तेज़ लैप्स दर्ज करने के बाद, उन्होंने क्वालिफाइंग में चौथा स्थान हासिल किया। रेस की शुरुआत में ही उन्होंने बढ़त हासिल कर थी। आठ लैप की इस रोमांचक रेस के पांचवें लैप में एक अन्य राइडर से हुई टक्कर के कारण वह पांचवें स्थान पर खिसक गए पर चिरंत ने हार नहीं मानते हुए तेजी से वापसी करते हुए अंतिम लैप में तीन प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ कर अपनी पहली चैंपियनशिप जीती।

रेस-1 की इस आसाधारण जीत के बाद, चिरंत ने रेस-2 में भी अपनी गति बनाए रखी। वह अंतिम लैप तक वह दूसरे स्थान पर थे पर इस बार भी एक टक्कर के कारण वह चौथे स्थान पर खिसक गये। रेस-1 में मिली जीत और रेस-2 में चौथे स्थान पर रहने के कारण चिरंत को चैंपियनशिप स्टैंडिंग में चौथा स्थान हासिल करने में मदद मिली है।

विराट ने इंग्लैंड दौरे के लिए फिटनेस टेस्ट पास किया

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली फिटनेस टेस्ट में पास हो गये हैं। ऐसे में अब विराट का इंग्लैंड दौरे में एकदिवसीय सीरीज खेलने का रास्ता साफ हो गया है। विराट को टीम में शामिल किया गया था पर उनके खेलने का फैसला फिटनेस जांच पर आधारित था। प्राप्त जानकारी के अनुसार विराट को बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' (सीओई) में फिटनेस जांच में सफल करार दिया गया है। इससे अब विराट एकदिवसीय सीरीज खेल सकेंगे। अब उनका लक्ष्य इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर साल 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के लिए अपनी दावेदारी पेश करना रहेगा।

वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2026) के फाइनल मुकाबले के दौरान ही चोटिल हो गए थे। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए खेलते हुए उनकी हैमस्ट्रिंग खिंचाव आ गय था। जिससे वह काफी समय तक खेल से दूर रहे थे। इसी चोट के कारण वह हाल ही में घरेलू मैदान पर अफगानिस्तान के खिलाफ खेली गई एकदिवसीय

सीरीज से भी बाहर थे। विराट के फिट होने से उनके प्रशंसकों को भी राहत मिली है। अब प्रशंसकों को लंबे इंतजार के बाद विराट को खेलते हुए देखने का अवसर मिलेगा। उन्होंने अंतिम बार चैम्पियंस ट्रॉफी में खेला था।

एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, नीतीश कुमार रेड्डी, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बरार।

हार्दिक पांड्या मुंबई इंडियंस छोड़ने की तैयारी में, इन दो टीमों से मिला ऑफर

नई दिल्ली (एजेंसी)। हार्दिक पांड्या मुंबई इंडियंस छोड़ने की तैयारी में हैं और पांच बार की IPL चैंपियन टीम को उनके संभावित ट्रेड के लिए कम से कम दो प्रस्ताव मिले हैं जिसमें एक शाहरुख खान की को-ओन्ड कोलकाता नाइट राइडर्स से और दूसरा राजस्थान रॉयल्स है।

इस मामले की जानकारी रखने वाले IPL के एक सूत्र ने नाम न बताने की शर्त पर PTI को बताया कि KKR के टॉप मैनेजमेंट और मुंबई इंडियंस के मालिकों के बीच खिलाड़ियों के अदला-बदली (स्वैप) को लेकर कई बार बातचीत हुई है। मुंबई इंडियंस में पांड्या की वापसी का सफर उतार-चढ़ाव भरा रहा है और उनकी कप्तानी में टीम सिर्फ एक बार प्ले-ऑफ में जगह बना पाई है।

सूत्र के मुताबिक, 'अजिंक्य रहाणे KKR के लिए हमेशा से एक कामचलाऊ व्यवस्था थे और इस सीजन के बाद उन्हें रिलीज किया जाना तय था। KKR के बड़े

अधिकारियों ने पिछले सीजन के आखिर में MI के मालिकों से संपर्क किया था, लेकिन चूंकि रिलायंस की सालाना AGM (आम बैठक) होने वाली थी, इसलिए उस समय IPL ट्रेड उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता नहीं थी।'

सूत्र ने बताया, 'हालांकि, पता चला है कि KKR ने फिर से MI के बड़े अधिकारियों से संपर्क किया है और इस बारे में कुछ दौर की बातचीत भी हुई है।' यह तय है कि अगर पांड्या पूरी तरह से कैश डील या ट्रेड-ऑफ के जरिए KKR में जाते हैं तो उन्हें कप्तानी मिल सकती है क्योंकि इस समय रिंकू सिंह एक सही विकल्प नहीं लग रहे हैं। हालांकि जब पूछा गया कि क्या MI स्टार भारतीय ऑलराउंडर के लिए पूरी तरह से कैश डील चाहती है या ट्रेड-ऑफ, तो सूत्र ने इसकी पुष्टि नहीं की।

IPL ट्रांसफर नियम साफ तौर पर कहते हैं कि कोई खिलाड़ी ट्रेड के संबंध में किसी दूसरी फ्रेंचाइजी के साथ व्यक्तिगत रूप से कोई बातचीत नहीं कर सकता है। नियम के अनुसार बातचीत केवल फ्रेंचाइजी-टू-फ्रेंचाइजी ही हो सकती है, लेकिन यह भी कहा गया है कि खिलाड़ी की सहमति के बिना ट्रेड नहीं हो सकता। अगर खिलाड़ी सहमति नहीं देता है, तो उसे वापस ऑक्शन पूल में भेजना होगा।

MI को मिला दूसरा ऑफर यशस्वी जायसवाल और पांड्या के बीच ट्रेड-ऑफ का बताया जा रहा है, लेकिन यह पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता कि बातचीत किसी एडवांस स्टेज तक पहुंची है या नहीं। हालांकि रॉयल्स असम के स्टार रियान पराग को लंबे समय के कप्तान के तौर पर देख रहे हैं, इसलिए पांड्या के लिए लीडरशिप रोल पाना मुश्किल होगा। अगर पांड्या का ट्रांसफर होता है, तो राजस्थान रॉयल्स की तुलना में चयक्र इस समय कहीं ज्यादा बेहतर विकल्प लग रहा है।

अल्जीरिया को 12 साल में पहली बार विश्व कप में मिली जीत, जोर्डन नॉकआउट की दौड़ से बाहर

सांता क्लारा। दूसरे हॉफ में पेनल्टी कॉर्नर पर दो गोल करके अल्जीरिया ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए जोर्डन को 2-1 से हराकर विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट चरण में पहुंचने की उम्मीदें पुख्ता कर लीं। दूसरे हाफ में स्थानापन्न खिलाड़ी नादिर बेनबुआली ने 69वें मिनट में हेडर लगाया जबकि अमीने गोरी ने 82वें मिनट में विजयी गोल दागा। विश्व कप में 2014 के बाद अल्जीरिया की यह पहली जीत है। जोर्डन के लिए पहले हाफ में निजार अल राशदान ने गोल दागा था। अल्जीरिया को पहले मैच में अर्जेंटीना ने 3-0 से हराया था लेकिन दूसरे मैच में ऑस्ट्रिया को हराकर उसने ग्रुप जे में दूसरा स्थान हासिल कर लिया। जोर्डन लगातार दूसरी हार के साथ नॉकआउट की दौड़ से बाहर हो गया है। उसे पहले मैच में आस्ट्रिया ने 3-1 से हराया था।

नितीश आयरलैंड दौरे से बाहर हुए, सूर्यांश को मिल सकता है अवसर

मुम्बई। भारतीय टीम को आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले ही करारा झटका लगा है। युवा ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी मांसपेशिया में खिंचाव के कारण आयरलैंड दौरे से बाहर हो गये हैं। नितीश के बाएं पैर की जांघ की मांसपेशियों (क्वाड्रिसेप्स) में चोट आई है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में भी उनका खेलना संदिग्ध है। नितीश ने अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था। अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के बाहर होने से उम्मीद जतायी जा रही थी कि नितीश उनकी कमी पूरी कर देंगे पर अब वह भी बाहर हो गये हैं। जिससे भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं।

अब देखना है कि चयनसमिति किस खिलाड़ी को नितीश की जगह पर अवसर देती है। भारतीय टीम का आयरलैंड दौरान 26 जून से शुरू हो रहा है। इस सीरीज का पहला मुकाबला 26 जून को है, जबकि दूसरा मैच 28 जून को खेला जाएगा। आयरलैंड दौरे के बाद टीम इंडिया इंग्लैंड रवाना होगी, जहां उसे टी20 के साथ ही एकदिवसीय सीरीज भी खेलनी है। अटकलें हैं कि अब आक्रामक ऑलराउंडर सूर्यांश शेडगे को भारतीय टीम में शामिल किया जा सकता हैं हालांकि, बीसीसीआई ने अभी आधिकारिक घोषणा नहीं की है। सूर्यांश हाल में भारत ए टीम के साथ ही श्रीलंका दौरे पर भी गये थे। श्रीलंका ए के खिलाफ सुपर ओवर वाले मैच में सूर्यांश ने अच्छी बल्लेबाजी करते हुए 72 रन बनाए थे। वह इंडियन प्रीमियर लीग में अय्यर की कप्तानी वाली पंजाब किंग्स के लिए खेलते हैं। पिछले सत्र में शेडगे ने पंजाब की तरफ से 7 मैच में खेलते हुए 158 रन बनाए थे। गेंदबाजी का उन्हें अवसर नहीं मिला था।घरेलू क्रिकेट में सूर्यांश मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते हैं।

मेसी, एम्बापे और हालैंड के बीच 'गोल्डन' बूट की टक्कर

फिलाडेल्फिया(एजेंसी)। लियोनेल मेसी, किलियन एम्बापे और एर्लिंग हालैंड तीनों ने दो-दो गोल किए जिससे वर्ल्ड कप गोल्डन बूट की दौड़ फुटबॉल के तीन सबसे बड़े सितारों के बीच मुकाबले में बदल गई। अपने 39वें जन्मदिन से दो दिन पहले, मेसी ने डलास स्टेडियम में ऑस्ट्रिया के खिलाफ अर्जेंटीना की 2-0 की जीत में दोनों गोल किए, जिससे उनके करियर के वर्ल्ड कप गोल की संख्या रिकॉर्ड 18 हो गई।

अर्जेंटीना के कप्तान अब दो मैचों में पांच गोल के साथ टूर्नामेंट में सबसे ज़्यादा गोल करने वालों की सूची में सबसे आगे हैं। कुछ घंटों बाद फिलाडेल्फिया में, एम्बापे ने भी ऐसा ही किया और दो गोल किए, जिससे फ्रांस ने इराक को 3-0 से हराया, जबकि हाफटाइम के दौरान लगभग दो घंटे तक तूफान के कारण खेल रुका रहा। अपना 100वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे फ्रांस

के कप्तान ने तीन टूर्नामेंटों में कुल 16 वर्ल्ड कप गोल कर लिए हैं और पूर्व रिकॉर्ड-धारक मिरोस्लाव क्लोज की बराबरी कर ली है।

न्यूयॉर्क-न्यू जर्सी स्टेडियम में हालैंड ने दो गोल किए और नॉर्वे ने सेनेगल को 3-2 से हराकर राउंड ऑफ 32 में जगह पक्की की। अपने पहले वर्ल्ड कप में खेल रहे 25 वर्षीय खिलाड़ी के नाम अब दो मैचों में चार गोल हैं; वे गोल्डन बूट की दौड़ में एम्बापे के बराबर और मेसी से एक गोल पीछे हैं। हालांकि, इराक पर फ्रांस की जीत के बाद एम्बापे ने मेसी के साथ तुलना को ज़्यादा महत्व नहीं दिया। एम्बापे ने कहा, 'लियो हमेशा गोल करते हैं और हमेशा करते रहेंगे। इसलिए मैं यह नहीं देख रहा कि वह क्या कर रहे हैं। मैं बस अपनी टीम की मदद करने पर ध्यान दे रहा हूं।' फ्रांस के कोच डिडिएर डेसचैम्प्स ने कहा कि उनके कप्तान के पास रिकॉर्ड बुक में नया इतिहास रचने का पूरा मौका है। एम्बापे के पूर्व रिकॉर्ड-धारक मिरोस्लाव क्लोज के 16 वर्ल्ड कप गोल के रिकॉर्ड की बराबरी करने के बाद डेसचैम्प्स ने कहा, 'रिकॉर्ड तोड़े जाने के लिए ही होते हैं।' हालैंड इस दौड़ में एक असली दावेदार के तौर पर उभरे हैं। नॉर्वे ने आखिरी बार 1998 में वर्ल्ड कप में हिस्सा लिया था, जो हालैंड के जन्म से दो साल पहले की बात है, इसलिए यह इस स्ट्राइकर का पहला वर्ल्ड कप अभियान है। अभी और भी मैच खेले जाने बाकी हैं, इसलिए गोल्डन बूट की लड़ाई अभी भी खुली हुई है, जिसमें मेसी, एम्बापे और हालैंड तीनों ही दौड़ में शामिल हैं।

टीम इंडिया की जर्सी देखकर भावुक हुए वैभव

मुम्बई। 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी भारतीय टीम की जर्सी देखकर भावुक हो गये। वैभव को आयरलैंड दौरे के लिए भारतीय टी20 टीम में शामिल किया गया है। बीसीसीआई ने टीम के मंगलवार को आयरलैंड दौरे के लिए रवाना होने से पहले का एक वीडियो जारी किया है। इसमें वैभव को राष्ट्रीय टीम की जर्सी प्राप्त करते हुए देखा गया। इसे देखकर वह खुशी से उछल पड़े और उनके आंसू निकल गये। वैभव अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करते 3 नंबर की जर्सी पहनकर मैदान पर उतरेंगे। किट बॉक्स खोलते ही वैभव ने सबसे पहले अपनी जर्सी देखी। इस पल को बयां करते हुए उनकी आंखें भर आईं और उन्होंने कहा, 'मेरे पास इसके बारे में बताने के लिए शब्द नहीं हैं। जिस चीज के लिए मैंने बचपन से बल्ला थामा था, आज मेरा वो सपना पूरा हुआ। आज सब कुछ सच हो गया। टी-शर्ट देखते ही मैं इतना खुश हो गया कि मेरे लिए ये सपने का सच होने जैसा था। मैं उस समय प्रतिक्रिया भी नहीं दे पा रहा था।' यह दृश्य बताता है कि एक खिलाड़ी के लिए देश का प्रतिनिधित्व करने का क्या महत्व होता है, और कैसे यह पल कई वर्ष की कड़ी मेहनत और समर्पण का फल होता है। आयरलैंड के खिलाफ भारतीय टीम दो टी20 मैच खेलेगी। इसमें वैभव पहली बार भारतीय टीम की ओर से खेलते हुए दिखेंगे। यह उनके करियर का एक बड़ा पड़ाव है। बीसीसीआई ने वैभव की कम उम्र को देखते हुए उनके माता-पिता को भी इस दौरे पर उनके साथ जाने की अनुमति दी है। उनके पिता पहले ही आयरलैंड पहुंच गये हैं। भारत और आयरलैंड के बीच पहला टी20 मैच 26 जून को खेला जाएगा, जबकि दूसरा मुकाबला 28 जून को होगा। यह सीरीज युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी क्षमता साबित करने का सुनहरा अवसर प्रदान करेगी।

मिताली का सुझाव: हरमनप्रीत नंबर चार पर, जेमिमा नंबर पांच पर खेलें

मैनचेस्टर (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज ने टीम के बल्लेबाजी क्रम में बदलाव का सुझाव दिया है। मिताली का मानना है कि कप्तान हरमनप्रीत कौर को नंबर चार पर बल्लेबाजी करनी चाहिए, जबकि जेमिमा रोड्रिग्स को नंबर पांच पर उतारा जाना चाहिए। मिताली ने ये बात दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली हार को देखते हुए कही है। इससे सेमीफाइनल में पहुंचने की भारतीय टीम की उम्मीदों को झटका लगा है, क्योंकि अब उन्हें अपने शेष सभी मैच जीतने होंगे।

मिताली ने कहा कि अब भारतीय टीक को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए ऑस्ट्रेलिया को हराने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यह मैच भारत के जीतने लायक था, लेकिन अब आगे का रास्ता मुश्किल है। बल्लेबाजी क्रम पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, हमने हरमनप्रीत को नंबर 5 पर इतनी देर से बल्लेबाजी करते हुए बहुत कम देखा है। इसलिए, शायद वह नंबर चार पर और जेमिमा नंबर पांच पर आ सकती हैं।

उन्होंने जेमिमा को नंबर पांच पर भेजने को लेकर कहा, जेमिमा पहले भी नंबर पांच पर खेल चुकी हैं और वहां उन्होंने काफी रन बनाए हैं। जब वह बल्लेबाजी के लिए आएंगी, तो संभावना है कि उन्हें स्पिनरों का सामना करना पड़े, जो उनकी ताकत है। वह अपने पैरों का इस्तेमाल कर सकती हैं और स्कूप और स्वीप शॉट अच्छे से खेलती हैं। मिताली का मानना है कि इस बदलाव से जेमिमा का आत्मविश्वास बढ़ सकता है, वह लय में वापस आ सकती हैं और वह मोमेंटम दोबारा हासिल कर सकती हैं, खासकर अगर हरमनप्रीत उनसे पहले बल्लेबाजी करें।

मिताली ने बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरानी की अनुशासित गेंदबाजी को इस मैच में भारत के लिए सबसे सकारात्मक पहलू बताया। चरानी ने एक ही ओवर में दो विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका को दबाव में ला दिय था। और बाद में एक और महत्वपूर्ण विकेट हासिल कर अपना शानदार स्पेल समाप्त किया। पूर्व कप्तान ने चरानी की तारीफ करते हुए कहा, श्री चरानी जल्दी सीखने वाली खिलाड़ी हैं। उन्होंने इंग्लिश कंडीशंस में डेब्यू किया था, इसलिए उन्हें वहां के हालात की अच्छी जानकारी है। उन्होंने बताया कि पिच से

ज्यादा टर्न न मिलने के बावजूद, चरानी ने लगातार स्टंप्स पर अटैक किया, पेस और लेंथ में बदलाव किए, और अपनी पसंद के हिसाब से फील्ड सेट की। चरानी के दो बड़े विकेट ने भारत को खेल में वापस ला दिया था, और दूसरे स्पेल में भी उनकी लाइन बहुत सटीक थी।

सैमसन ने धोनी की तुलना फेडरर और विराट की अल्कारेज से की

मुम्बई। भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन पर आजकल विंबलडन टेनिस का रंग चढ़ा हुआ है। इसी को देखते हुए सैमसन ने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की प्रशंसा करते हुए उनकी तुलना स्विटजरलैंड के महान टेनिस स्टार रोजर फेडरर से की है। सैमसन ने जहां धोनी की तुलना टेनिस के महान खिलाड़ी रोजर फेडरर से जबकि विराट कोहली के आक्रामक अंदाज की तुलना स्पेन के कार्लोस अल्कारेज से की है। सैमसन ने कहा, क्रिकेट के रोजर फेडरर धोनी ही हो सकते हैं। जिस प्रकार से फेडरर शांत अंदाज में खेलते हैं। उसी प्रकार से धोनी भी अपने काम को बहुत शांत और संयमित तरीके से करते हैं। वहीं दूसरी ओर अल्कारेज बहुत आक्रामक अंदाज में खेलते हैं। जिस प्राकर से विराट कोहली खेलते हैं। इसलिए संजू ने विराट की तुलना अल्कारेज से की है। सैमसन टी20 विश्वकप में भारतीय टीम की जीत के बाद से ही छाये हुए हैं। उन्होंने इसके बाद आईपीएल में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया था। अब उनकी नजरें इंग्लैंड दौरे पर हैं। सैमसन ने टी20 महिला विश्वकप में भारतीय टीम के अच्छे प्रदर्शन की भी तारीफ की है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से महिला टीम ने एकदिवसीय विश्वकप जीता उसी प्रकार वह टी20 खिताब भी जीतेगी।

मेसी के शानदार प्रदर्शन से अर्जेंटीना ने ऑस्ट्रिया को 2-0 से हराकर नॉकआउट में जगह बनायी

डलास (एजेंसी)। कप्तान लियोनन मेसी के शानदार प्रदर्शन से मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना ने ऑस्ट्रिया को 2-0 से हराकर लगातार छठी बार विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट चरण में प्रवेश किया है। इस धमाकेदार जीत के दौरान ही मेसी ने विश्व कप इतिहास में सबसे अधिक गोल करने का नया रिकॉर्ड भी अपने नाम किया है।

मेसी ने हाफ-टाइम से ठीक पहले गोल करने के साथ ही ही अपना 17वां गोल कर जर्मनी के दिग्गज मिरोस्लाव क्लोस को पीछे छोड़ा। इसके साथ ही, वह जस्ट फोंटेन और जाइरजिन्हो के बाद लगातार 6 विश्व कप मैचों में गोल करने वाले दुनिया के तीसरे खिलाड़ी भी बन गए है।

दूसरे हाफ में ऑस्ट्रिया ने बराबरी के लिए काफी प्रयास किये पर अर्जेंटीना के डिफेंडरों ने उसे कोई अवसर नहीं दिया। मैच के अंतिम क्षणों में मेसी ने एक और गोल कर टूर्नामेंट का अपना 5वां और विश्व कप करियर का 18वां गोल दागा।

इस मैच में सिर्फ मेसी के साथ ही अर्जेंटीना की पूरी टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा। ऑस्ट्रिया ने मेसी को घेरने की मजबूत रणनीति बनाई थी, लेकिन टीम ने एकजुट होकर इसका सामना किया। क्रिस्टियन रोमेरो ने घुटने की समस्या के कारण मैदान छोड़ने से पहले डिफेंस को मजबूती दी, जिसके बाद निकोलस ओटामेंडी ने कमान संभाली। रोड्रिगो डी पॉल, एलेक्सिस मैक एलिस्टर और एंज़ो फर्नांडीज ने मिडफील्ड को पूरी तरह नियंत्रित रखा, जिससे अर्जेंटीना की लय बनी रही। दो मैचों में दो जीत और 6 अंकों के साथ ही अर्जेंटीना का मनोबल बढ़ा हुआ है और टीम अब 27 जून को ग्रुप जे के अपने अंतिम मैच में जॉर्डन से मुकाबले के लिए उतरेगी।

'प्रदेश के निर्माण में राजा वीरभद्र सिंह का अतुलनीय योगदान'

राज्यपाल ने वीरभद्र सिंह की जयंती पर अर्पित की श्रद्धांजलि

अर्थ प्रकाश/संवाददाता

शिमला। राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता ने हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय राजा वीरभद्र सिंह की 93वीं जयंती के अवसर पर शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि स्वर्गीय राजा वीरभद्र सिंह का आधुनिक हिमाचल प्रदेश के निर्माण एवं विकास में अतुलनीय योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी दूरदर्शी सोच, दृढ़ नेतृत्व एवं जनकल्याणकारी नीतियों के परिणामस्वरूप आज हिमाचल प्रदेश विकास के विभिन्न क्षेत्रों में देश के अग्रणी राज्यों में अपनी पहचान बना चुका है। राज्यपाल ने कहा कि हिमाचल प्रदेश की राजनीति में वीरभद्र सिंह एक अत्यंत सम्मानित और प्रभावशाली व्यक्तित्व रहे हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में उनके लंबे एवं सफल कार्यकाल ने राज्य के विकास को नई दिशा प्रदान की। उन्होंने कहा कि प्रदेश ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है, जिसके कारण उन्हें व्यापक सम्मान प्राप्त हुआ। कवीन्द्र गुप्ता ने कहा कि स्वर्गीय वीरभद्र सिंह का सार्वजनिक जीवन, नेतृत्व क्षमता तथा जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि उनके आदर्शों एवं मार्गदर्शन को अपने जीवन में आत्मसात करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

इस अवसर पर लेडी गवर्नर बिंदु गुप्ता, लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह, शिमला नगर निगम के महापौर सुरेंद्र चौहान, हिमुडा के उपाध्यक्ष यशवंत छाजटा तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

राजा वीरभद्र विकास के मसीहा थे : सत्यप्रकाश ठाकुर

कुल्लू (अशेष शर्मा)। हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व लाखों दिलों पर राज करने वाले राजा वीरभद्र सिंह की जयंती आ? भुट्टिको सभागार में मनाई गई। उनकी जंयती पर भुट्टिको के अध्यक्ष एवं पूर्व वागवानी मंत्री सत्य प्रकाश ठाकुर ने कहा कि

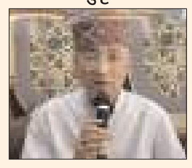

राजा वीरभद्र सिंह एक युग पुरूष, विकास के मसीहा थे। राजा वीरभद्र सिंह हिमाचल प्रदेश के कई वार लोकप्रिय मुख्यमंत्री रहें हैं, उन्होनें पूरे प्रदेश का समग्र विकास किया तथा वे सभी को साथ लेकर चलतें थें। उन्होनें हिमाचल प्रदेश को देश के विकसित राज्यो में अग्रणी राज्य वनाया। प्रदेश में शिक्षा, वागवानी परिवार नियोजन, जैसे अन्य कार्यो वो वढवा दिया। उन्होनें हिमाचलियो को अलग पहचान दिलाई जिससे हिमाचलियो को मेहनती, देशभक्त, वीरता व प्राकृतिक सौदर्य के लिये पहचान मिली। उनके प्रयासो से हिमाचल फल राज्य वना जिससे लागो की आमदनी में वृद्धि हुई तथा उन्होनें न ही हिमाचली टोपी को देश व विदशों में पहचान दिलाई। इसके साथ-2 वे केन्द्र में भी केविनेट मंत्री रहें तथा कई बार लोकसभा सदस्य के रूप में देश व प्रदेश की सेवा की है। वे सहकारिता आदोलन के लिए हमेशा तत्पर रहते थे। भुट्टिको सहकारी सभा के लिए उनका योगदान अविस्मरणीय रहा है। जब भी वे कुल्लू आते थे तो भुट्टिको को अपना परिवार की तरह समझते और हमेश भुट्टिको के उत्पादों को सहराते थे। इस अवसर पर सत्य प्रकाश ठाकुर ने सभी को युग पुरूष स्व0 राजा वीरभद्र सिह के पद चिन्हों पर चलने का आहवान किया। उनकी जंयती पर भुट्टिको के उपाध्यक्ष रोहित ठाकुर, निदेशक मदन लाल, सोहन सिंह , ईन्द्रा देवी, आत्मा राम, कार्यवाहक मुख्यमहाप्रबंधक सूरती देवी महाप्रबंधक किशन चन्द, दिनेश ठाकुर, अनिका ठाकुर, कविता ठाकुर शालिनी, शशी, ओम प्रकाश, सुनील, ,गौरव, वीना, महेन्द्र सिंह, व सैक?े बुनकरों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की।

भुंतर में कांग्रेस के साथ खेला, नगर पंचायत पर भाजपा ने किया कब्जा

अर्थ प्रकाश/अशेष शर्मा

भुंतर (कुल्लू), 23 जून। भुंतर नगर पंचायत के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद के चुनाव में बेहद रोचक घटनाक्रम देखने को मिला। दोनों पदों के लिए हुए मतदान में भाजपा और कांग्रेस समर्थित उम्मीदवारों को बराबर-बराबर मत मिले। इसके बाद चुनाव का फैसला टॉस के जरिए किया गया। टॉस में भाजपा की सोनी शर्मा के पक्ष में फैसला आया और वह नगर पंचायत भुंतर की नई अध्यक्ष निर्वाचित हुईं। वहीं उपाध्यक्ष पद के लिए भी भाजपा की मीना शर्मा ने बाजी मारते हुए जीत दर्ज की। इस तरह नगर पंचायत भुंतर में भाजपा ने दोनों प्रमुख पदों पर कब्जा जमा लिया।

चुनाव परिणाम कांग्रेस के लिए बड़ा झटका साबित हुआ। कांग्रेस को नगर पंचायत में सत्ता मिलने की उम्मीद थी, लेकिन बराबरी की स्थिति बनने के बाद किस्मत ने भाजपा का साथ दिया और टॉस के जरिए भाजपा के खाते में दोनों पद चले गए। परिणाम घोषित होते ही भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई और समर्थकों ने जीत का जश्न मनाया। वहीं कांग्रेस खेमे में मायूसी देखने को मिली।

भुंतर नगर पंचायत का यह चुनाव अब क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है, क्योंकि सत्ता का फैसला मतों से नहीं बल्कि टॉस से हुआ। भाजपा इसे अपनी जीत बता रही है, जबकि कांग्रेस के हाथ निराशा लगी है।

स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को वित्तीय सहायता, सरकारी योजनाओं और बाजार से जुड़ने के अवसरों की दी जानकारी

अर्थ प्रकाश/रोहित शर्मा

ऊना, 23 जून। जिला उद्योग केंद्र (डीआईसी), ऊना द्वारा आज डीआरडीए हॉल ऊना में एक दिवसीय फंडिंग एवं नेटवर्किंग मीट तथा उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन निटकॉन लिमिटेड के माध्यम से किया गया, जिसमें ऊना एवं आसपास के क्षेत्रों से स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

डीआईसी के ईआई संजय कुमार ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को वित्तीय सहायता के विभिन्न माध्यमों, सरकारी योजनाओं, ऋण सुविधाओं तथा विपणन अवसरों के बारे में जागरूक करना रहा। इसके माध्यम से महिलाओं को अपने स्वरोजगार एवं उद्यमों को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागी महिलाओं को बैंकिंग सेवाओं, ऋण प्रक्रिया, विभिन्न सब्सिडी एवं प्रोत्साहन योजनाओं, बीमा योजनाओं, उद्यम पंजीकरण तथा डिजिटल माध्यमों से ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया की विस्तृत एवं व्यवहारिक जानकारी दी गई।

फंडिंग एवं नेटवर्किंग मीट में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भागीदारी की। उनकी सक्रिय सहभागिता और सीखने की इच्छा ने यह दर्शाया कि स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं आत्मनिर्भरता और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही हैं। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों एवं संस्थानों के प्रतिनिधियों ने उपस्थित रहकर महिलाओं का मार्गदर्शन किया। इसमें पंजाब नेशनल बैंक के डिप्टी एलडीएम सुमित कुमार वर्धन, पीएनबी के वरिष्ठ प्रबंधक अंशुल जैन, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की डीपीएम ज्योति, आरसेटी ऊना के निदेशक सुधीर शर्मा तथा डीआईसी के ईआई संजय कुमार ने प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

यह कार्यक्रम रैम्प परियोजना के घटकङ्क7 'सामाजिक समावेशन' के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य महिलाओं की वित्तीय पहुंच को मजबूत बनाना, उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ना तथा उनके उत्पादों को बेहतर बाजार उपलब्ध करवाने की दिशा में सहयोग प्रदान करना है।

मॉनसून के दौरानआपात स्थिति में त्वरित मदद पहुंचाएगा कंट्रोल रूम

अर्थ प्रकाश/सलीम कुरैशी

नालागढ़। मानसून की होने वाली बरसात में आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए प्रशासन ने पूरे एहतियातन कदम उठा लिए है। बारिश होने की सूरत में किसी भी प्रकार की आपदा व आपात स्थिति में तुरंत मदद पहुंचाने के दृष्टिगत उपमंडल प्रशासन द्वारा कंट्रोल रूम स्थापित किया जा रहा है, जहां इसके लिए नोडल आफिसर नियुक्त किए जा रहे है, वहीं उपमंडल के विभिन्न विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों की डयूटियों को सुनिश्चित बनाया जा रहा है, जो आपात स्थिति में तुरंत मदद पहुंचाने का काम करेंगे। यह कंट्रोल रूम 24 घंटे खुला रहेगा और किसी भी प्रकार की स्थिति व परिस्थितियों से निपटने में पूरी मदद करेगा।

इस बार की बरसात से निपटने के लिए मॉनसून में किसी भी प्रकार की विषम परिस्थितियों से निपटने के लिए उपमंडल प्रशासन ने तैयारियों को मूर्त रूप दे दिया है। औद्योगिक क्षेत्र बीबीएन में बरसात में भारी वर्षा से कई क्षेत्र जलमग्न हो जाते है और नदी नालों व खडडों का जलस्तर बढ़ जाता है। गत वर्ष भी बरसात ने क्षेत्र में खासा कहर बरपाया था जिससे कई मार्ग अवरुद्ध हो गए थे और कई मार्ग क्षतिग्रस्त होने से यातायात व्यवस्थाएं कई दिन ठप्प रही थी।

एसडीएम नालागढ़ का कार्यभार संभाल रहे एसडीएम बद्दी संजीव धीमान ने कहा कि मिनी सचिवालय में कंट्रोल रूम स्थापित करके नोडल आफिसरों व कर्मचारियों की जि मेवारियों को सुनिश्चित बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बरसात में किसी भी प्रकार की आपातकालीन स्थिति में कंट्रोल रूम तुरंत सहायता मुहैया करवाएगा, ताकि किसी भी प्रकार की अनहोनी व अप्रिय घटना से बचा जा सके। उन्होंने लोगों से आहवान किया कि बरसात में किसी भी प्रकार की आपदा व आपात स्थिति की सूरत में तुरंत ही कंट्रोल रूम को संपर्क करें, ताकि समय रहते राहत व मदद पहुंचाई जा सके।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 12 वर्षों के कार्यकाल में पूरे विश्व ने माना भारतवर्ष का प्रभुत्व : गोविंद सिंह

अर्थ प्रकाश/अशेष शर्मा

कुल्लू, 23 जून। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं हिमाचल प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री गोविंद सिंह ठाकुर ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्र की एकता, अखंडता और स्वाभिमान के लिए समर्पित था। उन्होंने कहा कि ÷एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे÷ का उनका संकल्प आज भी देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है और वे सच्चे अर्थों में अखंड भारत के विचार के जनक हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 सफल वर्ष पूर्ण होने पर उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में भारत ने सेवा, सुशासन , गरीब कल्याण और राष्ट्रवाद के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। वर्ष 2014 से प्रारंभ हुई यह अखंड विकास यात्रा देशवासियों के विश्वास, पारदर्शिता और जनकल्याण पर आधारित रही है और देश की जनता ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर विश्वास करते हुए उन्हें लगातार तीसरी बार देश का नेतृत्व प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि ÷सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास÷ का मंत्र आज जन-आंदोलन का स्वरूप ले चुका है और निरंतर आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे उसके लिए प्रत्यक्ष लाभ अंतरण को प्रभावी ढंग से जमीनी स्तर पर उतार कर करोड़ों लाभार्थियों के खातों में सीधे सहायता राशि पहुंचा कर बिचौलियों और भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश लगाया गया जिससे सरकारी धन की बड़ी बचत हुई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के द्वारा गरीब कल्याण की योजनाओं को इन 12 वर्षों में सफल क्रियान्वयन किया गया जिससे करोड़ों लोग गरीबी से बाहर निकलने में सफल हुए हैं। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, जल जीवन मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना तथा पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली जैसी योजनाओं ने करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाया है। महिलाओं के सशक्तिकरण, किसानों के कल्याण, जनजातीय विकास, आधुनिक आधारभूत संरचना, डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में केंद्र सरकार ने उल्लेखनीय कार्य किए हैं जिसका सीधा असर लगातार मजबूत हो रही भारतीय अर्थव्यवस्था से जान पड़ता है।

न्यूज ब्रीफ

ई.वी.एम. व वी.वी.पैट. के भण्डारण कक्ष का निरीक्षण

सोलन (यशपाल)। उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने आज कथे? में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ई.वी.एम.) व वोटर वैरिफाइड पेपर ऑडिट ट्रेल (वी.वी.पैट.) के भण्डारण कक्ष का निरीक्षण किया। इस अवसर पर विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के शिव दत्त ठाकुर व कंचन राणा, भारतीय जनता पार्टी के चंद्रकांत व विजय ठाकुर, बहुजन समाज पार्टी की सुनीता चंद्रा, नायब तहसीलदार निर्वाचन संजीव कुमार इस अवसर पर उपस्थित थे।

राजा वीरभद्र सिंह की जयंती पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अन्नपूर्णा लंगर चलाया

कुल्लू, 23 जून (अशेष शर्मा)। हिमाचल के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय वीरभद्र सिंह की जयंती के अवसर पर ढालपुर के क्षेत्रीय अस्पताल में कांग्रेस जिला

अध्यक्ष सेस राम आजाद एवं अन्य कार्यकर्ताओं ने अन्नपूर्णा लंगर सेवा में मरीजों के तिमारदारों और जरूरत मंद लोगों को आज दिन का भोजन परोसा गया। मीडिया प्रभारी संजय गुप्ता ने बताया कि राजा वीरभद्र सिंह एक युग पुरुष थे और उनके कार्यकाल में उन्होंने आम जनता की दिल से सेवा की थी जिसके कारण वह आज भी आम जनता के दिलों में राज करते हैं और वह प्रत्येक वर्ग का विशेष ध्यान रखते थे और आम जन मानस के लिए उन्होंने बहुत से सराहनीय कार्य किए थे और आज उनकी जयंती पर कांग्रेस पार्टी कुल्लू के पद अधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने अन्नपूर्णा लंगर सेवा में भोजन व्यवस्था कर उनको सच्ची श्रदांजलि दी गई।

हिमाचल में 28 जून को आयोजित होगा पल्स पोलियो अभियान

राज्य स्तरीय प्रतिरक्षण कार्यबल ने की पोलियों अभियान से जुड़ी तैयारियों की समीक्षा

अर्थ प्रकाश/अनिल कुमार शर्मा

शिमला। हिमाचल प्रदेश में 28 जून, 2026 को आयोजित किए जाने वाले पल्स पोलियो अभियान की तैयारियों की समीक्षा के लिए आज यहां राज्य स्तरीय प्रतिरक्षण कार्यबल समिति की बैठक सचिव स्वास्थ्य एम. सुधा देवी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में अभियान के सफल एवं प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विभिन्न विभागों की भूमिका एवं दायित्वों पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में बताया गया कि अभियान के लिए आवश्यक पोलियो वैक्सीन की आपूर्ति प्रदेश के सभी जिलों को कर दी गई है तथा अभियान के सफल संचालन के लिए अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

स्वास्थ्य सचिव ने अभियान को सफल बनाने के लिए विभिन्न विभागों से सक्रिय सहयोग का आह्वान किया। उन्होंने पात्र बच्चों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त मानव संसाधन उपलब्ध करवाने, बच्चों की अधिकतम संख्या में भागीदारी सुनिश्चित करने, बूथ गतिविधियों के प्रभावी संचालन, घर-घर जाकर जागरूकता एवं सत्यापन कार्य तथा समुचित पर्यवेक्षण एवं निगरानी पर विशेष बल देने के निर्देश दिए।

बैठक में औद्योगिक इकाइयों को भी अपने कर्मचारियों एवं श्रमिकों को पल्स पोलियो अभियान तथा बूथ दिवस की जानकारी देने के निर्देश जारी करने पर बल दिया गया, ताकि कोई भी पात्र बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे। इसके अतिरिक्त, अभियान को जन-आंदोलन का स्वरूप प्रदान करने के लिए महिला मंडलों, स्थानीय संस्थाओं तथा समर्पित क्षेत्रीय कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी बल दिया गया।

दुगरईं का भारत भूषण व तुन्ना की युवती लापता, मामला दर्ज

गोहर, 23 जून (सुभाग सचदेवा)। पुलिस थाना थाना गोहर के अंतर्गत आजकल एक अनोखा मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दुगराई निवासी भारतभूषण, जो कि ग्राम पंचायत बासा में चौकीदार के पद पर कार्यरत है जिसका बेटा जमा 1 में पड़ रहा है और तुन्ना गांव की टमाटरी देवी (काल्पनिक नाम), जिसकी बेटी भी जमा 1 में पड़ रही है। बेशक, दोनों ही अलग अलग स्कूल के स्टूडेंट हैं। भारत, भूषण व टमाटरी देवी जो अलग अलग गांव के रहने वाले हैं मगर पिछले 4 दिनों से दोनों ही अपने अपने अपने घरों से गायब गायब चल रहे हैं। दोनों के घरवालों ने पुलिस थाना गोहर में आकर दोनों की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कार्रवाई है कि दोनों पिछले 4 दिनों से घर से लापता है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार उन दोनों की ही मोबाइल लोकेशन पुणे महाराष्ट्र के ट्रेस की गई है। थाना प्रभारी ने उन दोनों से वापिस घर आने के लिए बोला है ताकि उन पर किसी दूसरी प्रकार की कार्रवाई अमल में न लाई जा सके। वो दोनों अपने घर आकर जो भी उनके मन की दशा है वो लोगों को बताएं।अपने परिवार के साथ अपनी मानसिक स्थिति साझा करें, अगर वह समय पर अपने घर अपने गांव वापस नहीं आते तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। दूसरी तरफ ये मामला प्रेम प्रसंग का लग रहा है, मगर हैरानी की बात है कि दोनों पहले से ही शादीशुदा है और अपने परिवार के साथ ही रह रहे हैं। ऐसे में उन्होंने ये कदम क्यों उठाया? ये तो अब उनके आने के बाद ही पता चलेगा मगर क्षेत्र में आजकल ये मामला काफी चर्चा का विषय बना हुआ है।

सुबे में 140 करोड़ की 45 योजनाएं क्रियाशील

अर्थ प्रकाश/अनिल कुमार शर्मा

शिमला। जल शक्ति विभाग के सचिव डॉ. अभिषेक जैन ने सोमवार देर सायं पेयजल एवं सिंचाई परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि विभाग का लक्ष्य हर घर और खेत तक प्राथमिकता के आधार पर जल आपूर्ति सुनिश्चित करना है। विभाग के सतत् प्रयासों के फलस्वरूप प्रदेश में 66.52 करो? रुपये व्यय कर 134 योजनाओं में बिजली आपूर्ति एवं उपकरणों संबंधी कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं।

इसके अतिरिक्त, राज्य में लगभग 140 करोड़ रुपये व्यय कर 45 योजनाओं को क्रियाशील किया गया है। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं के क्रियाशील होने से प्रदेश की ब?ी आबादी सीधे तौर पर लाभान्वित होगी और अन्य 89 योजनाओं जिनमें बिजली आपूर्ति की गई है को भी 10 दिन में क्रियाशील कर दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री के दिशा-निर्देशों के अनुरूप विभाग पेजयल एवं सिंचाई योजनाओं के सफल संचालन की दिशा में कार्य कर रहा है। विभाग जल प्रबन्धन को मजबूत करने के लिए नवाचार और प्रौद्योगिकी आधारित रणनीति को केन्द्र में रखकर कार्य कर रहा है। विभाग द्वारा प्रस्तुत उपयोगिता प्रमाण पत्रों की संख्या में भी 201 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। राज्य में 119 करो? रुपये की 388 योजनाओं के उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रदान किए गए हैं। विभाग के प्रभावी वित्तीय प्रबन्धन, समयबद्ध परियोजना क्रियान्वयन के फलस्वरूप राज्य में अब लम्बित योजनाओं की प्रतिशतता 54.25 प्रतिशत कम हो गई है।

लक्ष्य हासिल करने के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करें : अनुराग चंद्र

अर्थ प्रकाश/अशेष शर्मा

कुल्लू, 23 जून। उपायुक्त अनुराग चंद्र शर्मा की अध्यक्षता में 'एड्स सुरक्षा हेतु जन-सक्रियता अभियान' (एमएएस) एवं राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) द्वारा निर्धारित 95¬95¬99 लक्ष्यों तथा एचआईवी, सिफलिस एवं हेपेटाइटिस-बी के मां से शिशु में संक्रमण की रोकथाम (त्रिस्तरीय संक्रमण उन्मूलन) की प्रगति की समीक्षा की गई।

उपायुक्त ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि 1 दिसंबर, 2026 तक जिले में 95¬95¬99 के लक्ष्यों को हर हाल में प्राप्त किया जाए। उन्होंने कहा कि इसके लिए एक प्रभावी एवं परिणामोन्मुख कार्ययोजना तैयार कर उसे धरातल पर सख्ती से लागू किया जाए, ताकि कार्यक्रम के क्रियान्वयन में आने वाली कमियों को समय रहते दूर किया जा सके।

बैठक में बताया गया कि नाको द्वारा इसे चार श्रेणियों 'सुरक्षित प्लस', 'सुरक्षित', 'सक्षम' और 'संघर्षशील' में वर्गीकृत किया गया है। अप्रैल 2026 तक उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार कुल्लू जिला वर्तमान में 'संघर्षशील' श्रेणी में है। उपायुक्त ने कहा कि जिले को 'सुरक्षित' तथा आगे चलकर 'सुरक्षित प्लस' श्रेणी में लाने के लिए मिशन मोड में कार्य करना होगा। उन्होंने प्रसव पूर्व देखभाल के अंतर्गत सभी गर्भवती महिलाओं की शत-प्रतिशत एचआईवी, सिफलिस एवं हेपेटाइटिस-बी जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि मां से शिशु में संक्रमण के मामलों को पूरी तरह समाप्त किया जा सके।

डॉ. श्यामा प्रसाद का बलिदान राष्ट्र की एकता का अमर प्रतीक : अमित सूद

श्यामा प्रसाद मुखर्जी के संघर्षों के परिणामस्वरूप देश में राष्ट्रीय अखंडता की भावना हुई मजबूत : भीम सेन शर्मा

अर्थ प्रकाश/अशेष शर्मा

कुल्लू, 23 जून। भारतीय जनता पार्टी जिला कुल्लू द्वारा जिला अध्यक्ष अमित सूद की अध्यक्षता में भारतीय जनसंघ के संस्थापक एवं देश की एकता और अखंडता के लिए अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में पूर्व मंत्री एवं विधायक गोविंद सिंह ठाकुर ,अखिलेश कपूर, भीमसेन शर्मा, दानवेंद्र सिंह, युवराज बोध,आदित्य विक्रम सिंह,अर्चना ठाकुर, नवल नेगी,नरेश चौहान,विनोद कायस्था,डॉक्टर अभिलाषा ठाकुर,प्रकाश चौधरी, शरबन लाल,सुनील राणा,अनुपमा कंबोज,लता भारद्वाज,चेतना शर्मा एवं रेखा गुलेरिया सहित भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे । कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनके विचारों को स्मरण किया तथा उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

भाजपा जिला अध्यक्ष अमित सूद ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्रभक्ति, त्याग, साहस और दृढ़ संकल्प का अद्वितीय उदाहरण है। उन्होंने ऐसे समय में राष्ट्रहित की आवाज बुलंद की, जब देश अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा था। भारत की एकता और अखंडता के प्रश्न पर उन्होंने कभी समझौता नहीं किया और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अपने जीवन का बलिदान दिया।

अमित सूद ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का मत था कि भारत एक है और इसकी संप्रभुता, एकता तथा अखंडता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जा सकता। जम्मू-कश्मीर में लागू दो विधान, दो प्रधान और दो निशान की व्यवस्था के विरोध में उन्होंने जो संघर्ष किया, वह भारतीय लोकतंत्र और राष्ट्रवाद के इतिहास का एक स्वर्णिम अध्याय है। उनका विचार ÷एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे÷ आज भी करोड़ों देशवासियों को राष्ट्रीय एकता के लिए प्रेरित करता है।

प्रदेश मीडिया सह प्रभारी भीम सेन शर्मा ने इस मौके पर कहा कि डॉ. मुखर्जी का बलिदान केवल एक व्यक्ति का बलिदान नहीं था, बल्कि यह भारत की एकता और अखंडता को सुदृढ़ करने के लिए दिया गया एक ऐतिहासिक योगदान था। उनके विचारों और संघर्षों के परिणामस्वरूप देश में राष्ट्रीय अखंडता की भावना और अधिक मजबूत हुई।

उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्र सेवा, सुशासन और जनकल्याण के कार्यों में समर्पित भाव से जुटा हुआ है। उनके आदर्श आने वाली पीढ़ियों को भी राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की प्रेरणा देते रहेंगे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके दिखाए मार्ग पर चलने तथा राष्ट्र की एकता, अखंडता और विकास के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया।

बॉक्स ऑफिस प्रेशर पर बोले अजय देवगन

अजय देवगन की आने वाली कॉमेडी फिल्म 'धमाल 4' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर लॉन्च के मौके पर अजय देवगन ने बताया कि आखिर फिल्म रिलीज के समय बॉक्स ऑफिस का कितना दबाव होता है। इसके साथ ही अजय ने यह भी बताया कि बॉलीवुड फिल्मों के सीक्वल इतने सफल क्यों होते हैं?

अजय देवगन ने माना कि फिल्म रिलीज होने से पहले हर किसी को थोड़ा डर और दबाव महसूस होता है। उन्होंने कहा, 'जब भी कोई फिल्म रिलीज होने वाली होती है, तो प्रेशर होना बिल्कुल सामान्य है। इससे हर एक्टर गुजरता है। हम बहुत मेहनत से फिल्म बनाते हैं और हमेशा यही उम्मीद रहती है कि दर्शकों को यह पसंद आए। इसी उम्मीद की वजह से रिलीज के वक्त दिल में थोड़ी घबराहट रहती है।'

सीक्वल फिल्में क्यों होती हैं हिट

'गोलमाल' और 'दृश्यम' जैसी कई सुपरहिट सीक्वल फिल्मों में काम कर चुके अजय देवगन ने बताया कि सीक्वल के हिट होने का राज क्या है। अजय ने कहा कि सीक्वल फिल्में तभी कामयाब होती हैं, जब दर्शकों को पिछली फिल्म के किरदार बहुत पसंद आए हों। एक बार जब दर्शक किरदारों से जुड़ाव महसूस करने लगते हैं, तो उसी कहानी को आगे बढ़ाना आसान और मजेदार हो जाता है।

क्या है फिल्म की कहानी

अजय देवगन इस फिल्म में 'गुड्डू' नाम का किरदार निभा रहे हैं, जो उन्होंने 'धमाल 3' में भी निभाया था। फिल्म में उनकी जोड़ी ईशा गुप्ता के साथ दिखेगी। इस बार भी फिल्म की कहानी एक मजेदार खजाने की खोज पर आधारित है, जहां सभी किरदार सोने के पहाड़ को ढूंढ रहे हैं।

कब रिलीज होगी 'धमाल 4'

अक्षय कुमार की 'वेलकम टू द जंगल' और आलिया भट्ट की फिल्म 'अल्फा' के साथ टकराव से बचते हुए अब 'धमाल 4' 10 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

शिल्पा शिंदे ने टीवी सीरियल निर्माताओं को कहा माफिया

शिल्पा शिंदे ने एक बार फिर टीवी इंडस्ट्री में आर्टिस्ट्स के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में बात की है। एक्ट्रेस ने टेलीविजन इंडस्ट्री के प्रोड्यूसर्स की आलोचना की है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ प्रोड्यूसर्स व्हाइट कॉलर माफिया की तरह काम करते हैं। इंस्टाग्राम पेज पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए शिल्पा शिंदे ने निर्माताओं को खूब भला-बुरा कहा है।

प्रोड्यूसर्स को लताड़ा

इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए एक वीडियो में शिल्पा शिंदे ने कहा, 'जैसा कि आपने देखा आर्टिस्ट एसोसिएशन खुद आर्टिस्ट्स के साथ खड़ी नहीं होती है। टीवी इंडस्ट्री में ये प्रोड्यूसर्स माफिया की तरह काम करते हैं। वे व्हाइट-कॉलर माफिया हैं। मैं हमेशा से यह कहती रही हूं। जो प्रोड्यूसर्स उन्हें सपोर्ट नहीं करते हैं, उन्हें धमकी भी दी जाती है। कहा जाता है कि अगर कल तुम्हें कुछ हो गया, तो हम तुम्हें सपोर्ट नहीं करेंगे।' सपोर्ट की तो बात ही छोड़िए। वे कहते हैं कि हम तुम्हारा काम रोक देंगे। हम तुम्हारा अभी का शो नहीं चलने देंगे; तुम्हें हमारा साथ देना होगा।'

अपनी आपबीती भी सुनाई

वह वीडियो में आगे कहती हैं, 'उन्होंने मेरा साथ भी नहीं दिया। आज भी जब उनके पास मेरे साथ खड़े होने का मौका था, तब भी वे नहीं आए। मुझे बोलने की कोई जरूरत नहीं थी। किसी को पता भी नहीं कि उस समय मैं किस दौर से गुजरी थी। लोग मुझ पर झूठा इल्जाम लगा रहे हैं कि मैं यह सिर्फ पैसे के लिए कर रही हूं। आज 10 साल बाद भी, वह प्रोड्यूसर टीवी शो और फिल्में बना रहे हैं। किसी में भी अपने लिए इंसाफ की लड़ाई लड़ने की हिम्मत नहीं है। और फिर लोग सुसाइड जैसे बड़े कदम उठा लेते हैं।'

क्या था शिल्पा शिंदे का पूरा मामला?

शिल्पा शिंदे ने बीते दिनों कॉमेडियन भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया के पॉडकास्ट पर टेलीविजन शो 'भाबीजी घर पर हैं' के प्रोड्यूसर्स के साथ अपने झगड़े के बारे में बात की थी। उन्होंने बताया कि शो छोड़ने के बाद और पेंडिंग पेमेंट्स को लेकर हुए झगड़े के बीच उन्होंने प्रोड्यूसर संजय कोहली के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई थी। शिलपा शिंदे ने यह भी कहा कि बाद में मामला सुलझ गया और उन्हें उनका बकाया मिल गया। इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर शिल्पा की खूब ट्रोलिंग हुई, टीवी इंडस्ट्री से हिना खान भी उनके खिलाफ बातें कर रही हैं। कई लोगों को मानना है कि ऐसे झूठे केस की वजह से ही असल पीड़ित महिलाओं को न्याय नहीं मिलता है।

ऑस्कर विजेता कंपनी के साथ काम करेंगे ऋतिक रोशन

मशहूर हॉलीवुड प्रोडक्शन और मैनेजमेंट कंपनी ने बॉलीवुड सुपरस्टार ऋतिक रोशन को अपने आने वाले प्रोजेक्ट के लिए साइन कर लिया है। यह कंपनी 'द रेवेनेंट' और 'स्पॉटलाइट' जैसी ऑस्कर जीतने वाली फिल्में बनाने के लिए जानी जाती है।

क्या हॉलीवुड प्रोजेक्ट में नजर आएंगे ऋतिक

ऋतिक ने 'एनोनिमस कंटेंट' कंपनी के साथ एक डील साइन कर ली है। इस डील के बाद से ऐसी चर्चाएं तेज हो गई हैं कि ऋतिक जल्द ही किसी बड़े हॉलीवुड प्रोजेक्ट में नजर आ सकते हैं, हालांकि अभी तक किसी फिल्म की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

ऋतिक रोशन का अब तक का सफर

ऋतिक को बॉलीवुड का 'ग्रीक गॉड' कहा जाता है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत ब्लॉकबस्टर फिल्म 'कहो ना प्यार है' से की थी। उन्होंने 'वॉर', 'कृष', 'जोधा अकबर' और 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' जैसी कई शानदार फिल्मों में काम किया है।

ऋतिक का वर्कफ्रंट

ऋतिक रोशन बहुप्रतीक्षित सुपरहीरो फ्रेंचाइजी 'कृष 4' में नजर आएंगे, जिसकी प्री-प्रोडक्शन और निर्देशन की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। इसके अलावा ऋतिक निर्माता रूप में अपनी पहली वेब सीरीज 'स्टॉर्म' भी बना रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय कलाकार

ऋतिक अकेले नहीं हैं, बल्कि कई भारतीय कलाकार भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। प्रियंका चोपड़ा इस समय हॉलीवुड में सबसे सफल भारतीय अभिनेत्री हैं। 'क्वांटिको' सीरियल से शुरुआत करने के बाद उन्होंने 'बेवॉच' और 'हेड्स ऑफ स्टेट' जैसी कई हॉलीवुड फिल्मों में काम किया। अब वह जल्द ही सात साल बाद एसएस राजामौली की फिल्म से भारतीय सिनेमा में वापसी करेंगी। प्रियंका के अलावा आलिया भट्ट ने गैल गैडोट के साथ फिल्म 'हार्ट ऑफ स्टोन' से अपना हॉलीवुड डेब्यू किया। प्रियंका, आलिया और दीपिका पादुकोण के अलावा भी कई बॉलीवुड स्टार्स ने हॉलीवुड फिल्मों में काम किया है।

'मां इंटी बंगारम' में खुद सामंथा ने किए हैं सारे एक्शन सीन्स

साउथ की पॉपुलर एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु अपनी आने वाली फिल्म 'मां इंटी बंगारम' को लेकर काफी चर्चा में हैं। हाल ही में चेन्नई में हुए एक प्री-रिलीज इवेंट में समांथा ने फिल्म के एक्शन सीन को लेकर दिलचस्प बातें साझा कीं। उन्होंने बताया कि इस फिल्म में एक्शन बिल्कुल रियल है- ना कोई स्लो मोशन, ना ही उड़ने वाले शॉट्स और ना ही ज्यादा ड्रामा। समांथा ने कहा, 'फिल्म में जो भी फाइट सीन हैं, वो बिल्कुल असली लगेंगे। मुझे भी शूटिंग के दौरान कई बार चोट लगी, यहां तक कि खून भी बहा। लेकिन मैंने सारे एक्शन सीन खुद किए हैं, इसलिए ये इतने असली लगते हैं और लोगों को पसंद आते हैं।'

फिल्म का निर्देशन नंदिनी रेड्डी ने किया है। फिल्म 'मां इंटी बंगारम' एक फैमिली एक्शन-कॉमेडी ड्रामा है। इस फिल्म को सामंथा के पति और निर्देशक राज निदिमोरु ने बनाया है। इस फिल्म में दिगनाथ और गुलशन देवैया अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इनके अलावा फिल्म में श्री मुखी, गौतमी, आनंद और लक्ष्मी भी सपोर्टिंग रोल में हैं।

आकांक्षा रंजन कपूर 'ग्राम चिकित्सालय' के नए सीजन में अपने किरदार को लेकर बात की

अभिनेत्री आकांक्षा रंजन कपूर अपने वेब शो 'ग्राम चिकित्सालय' के दूसरे सीजन की रिलीज को लेकर काफी उत्साहित हैं। उन्होंने शो के नए सीजन में अपने किरदार के सफर को लेकर खुलकर बात की। साथ ही बताया कि इस बार क्या खास है। अभिनेत्री ने बताया कि दूसरे सीजन में उनका किरदार गार्गी पहले से अधिक जिम्मेदारियों का सामना करता नजर आएगा। साथ ही, उसे कई कठिन और जटिल फैसले भी लेने पड़ेंगे, जो उसके किरदार के साथ कहानी को और भी दिलचस्प बनाएंगे। इस बारे में बात करते हुए आकांक्षा रंजन कपूर ने कहा, 'डॉ. गार्गी का किरदार निभाने का सबसे संतोषजनक पहलू यह रहा कि दर्शकों ने उससे गहरा जुड़ाव महसूस किया और भरपूर प्यार दिया। पहले सीजन में गार्गी को एक ईमानदार, सरल और जमीन से जुड़ी हुई महिला के रूप में दिखाया गया था और मुझे लगता है कि दर्शकों ने उसकी इसी सच्चाई से खुद को जोड़ा। यह देखकर खुशी होती है कि लोगों का यह प्यार और अपनापन दूसरे सीजन में उसके किरदार के और बड़े सफर का हिस्सा बना है।' उन्होंने आगे कहा, 'दूसरे सीजन में गार्गी पहले से कहीं अधिक जिम्मेदारियों का सामना करती नजर आएगी। उसे कई जटिल फैसले लेने पड़ते हैं और ऐसी चुनौतियों से गुजरना पड़ता है, जो उसके सिद्धांतों और विश्वासों की वास्तविक परीक्षा लेती हैं। एक कलाकार के तौर पर ऐसे शो का हिस्सा बनना बेहद संतोषजनक है, जो गहराई वाली कहानियां प्रस्तुत करता है और अपने किरदारों को विकसित होने का पूरा अवसर देता है।' 'ग्राम चिकित्सालय' के पहले सीजन को झारखंड के भाठकांडी गांव में ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था के यथार्थवादी और संवेदनशील चित्रण के लिए काफी सराहना मिली थी। पहले सीजन में आकांक्षा रंजन कपूर ने स्थानीय डॉक्टर डॉ. गार्गी के किरदार को प्रभावशाली ढंग से निभाया। शो की कहानी का बड़ा हिस्सा अब उनके किरदार के इर्द-गिर्द घूमता नजर आएगा, जिससे आकांक्षा रंजन कपूर की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। ग्राम चिकित्सालय का दूसरा सीजन 23 जून से ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगा।

प्रियंका चाहर ने 'नागिन 7' के सफर को कहा अलविदा

अलौकिक (सुपरनैचुरल) शो 'नागिन' के सातवें सीजन के समाप्त होने के बाद प्रियंका चाहर चौधरी ने शो को अलविदा कहते हुए एक भावुक संदेश साझा किया। इस अवसर पर उन्हें टीवी जगत की 'जारिना' कही जाने वाली एकता कपूर से खूब सराहना मिली। एकता ने कहा कि वह प्रियंका के साथ फिर से काम करने का बेसब्री से इंतज़ार कर रही हैं। इस सफर को 'अविस्मरणीय यात्रा' करार देते हुए प्रियंका ने सबसे पहले इंस्टाग्राम पर शूटिंग के आखिरी दिन की एक झलक साझा की और लिखा, 'और इसी के साथ, एक अविस्मरणीय यात्रा का अंत हो रहा है... नागिन 7।'

अभिनेत्री ने कहा कि इस शो ने उन्हें केवल यादें ही नहीं, बल्कि उससे कहीं अधिक दिया है। उन्होंने लिखा, 'इस शो ने मुझे सिर्फ यादों से कहीं ज्यादा दिया है- इसने मुझे खूबसूरत लोग, जीवनभर के रिश्ते और मेरे शिवजी के साथ और भी गहरा जुड़ाव दिया। महादेव से इतनी गहराई से जुड़ी कहानी का हिस्सा बनने से मेरा विश्वास और मजबूत हुआ है, और मैं हर दिन अपने जीवन में उनके प्रेम और उपस्थिति को महसूस करती हूं। यह रिश्ता हमेशा के लिए है और अटूट है।' उन्होंने उन पर भरोसा करने और यह शानदार अवसर देने के लिए एकता कपूर का धन्यवाद किया।

प्रियंका ने आगे कहा, 'मैं हमेशा आभारी रहूंगी। इस अद्भुत यात्रा को जीने का मंच देने के लिए कलर्स टीवी और बालाजी टेलीफिल्मस लिमिटेड का दिल से धन्यवाद। मेरे सह कलाकारों, हमारी शानदार टीम और पर्दे के पीछे काम करने वाले सभी लोगों का शुक्रिया, जिन्होंने इस सफर को इतना खास बनाया।' उन्होंने लिखा, 'और दर्शकों, आपके असीम प्यार और नागिन 7 को शुरुआत से लेकर अंत तक नंबर-1 शो बनाने के लिए धन्यवाद। यह प्यार मेरे लिए सब कुछ है। शो समाप्त हो सकता है, लेकिन इसकी यादें हमेशा बनी रहेंगी... और एक बात निश्चित है- नागिन की विरासत हमेशा जारी रहेगी। हमेशा आभारी। हमेशा धन्य। हर हर महादेव।'

प्रियंका चाहर चौधरी की इस पोस्ट पर एकता कपूर की नजर पड़ी, जिन्होंने उनकी जमकर प्रशंसा की। एकता कपूर ने कमेंट सेक्शन में लिखा, 'सबसे खूबसूरत नागिन के लिए, तुम्हारे साथ काम करना बेहद सुखद अनुभव रहा। तुम मेहनती, खूबसूरत, आकर्षक और बहुत सहयोगी हो। भविष्य में फिर से तुम्हारे साथ काम करने का इंतजार रहेगा। ढेर सारा प्यार प्रियंका, तुम्हें दोबारा हमारे सेट पर देखने का इंतजार है।' 'नागिन' एक सुपरनैचुरल फिक्शन टीवी शो है, जिसकी कहानी रूप बदलने वाले नाग-नागिनों के इर्द-गिर्द घूमती है। इसका पहला सीज़न वर्ष 2015 में शुरू हुआ था।

प्रियंका की बात करें तो उन्हें 'उड़ारियां' में तेजो कौर संधू का किरदार निभाने के बाद बड़ी लोकप्रियता मिली। 'बिग बॉस 16' में भी उनके व्यक्तित्व को दर्शकों ने खूब पसंद किया और वह शो की दूसरी रनर-अप रहीं। वर्ष 2016 में उन्होंने कई पंजाबी म्यूजिक वीडियो में काम किया, जिनमें 'हंजू', 'मैं बेवफा' और 'ऑनलाइन' शामिल हैं।

अर्थ प्रकाश न्यूज पेपर्स के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक महावीर जैन द्वारा 'अर्थ प्रकाश प्रेस' से मुद्रित एवं प्रकाशित Kapoor Nivas New Kather, Near HRTC Workshop, PO Chamba Ghat Solan HIMACHAL PRADESH से जारी। प्रधान संपादक : महावीर जैन, प्रबंध संपादकः अक्षित जैन आर.एन.आई. पंजीक्रम : HPHIN/26/A2551 फोनः 0172-2638515, 9815033624 E-mail : arthparkash@gmail.com, arthparkashnews@gmail.com मुख्य सलाहकारः हरीश चंद्र जैन, एचसीएस (सेवानिवृत्त)